Maa Vindhyavasini University
Mirzapur (U.P.)

Syllabus

For

Subject- Hindi

Four Year Undergraduate Program

With

One Year P.G. Program (IX & X Semester)

And

Minor Paper (II & IV Sem)

(NEP-2020 Based Curriculum)

Effective from Session 2026-27

Department of Hindi

Faculty of Humanities

Maa Vindhyavasini University

Mirzapur (U.P.)

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर हेतु स्नातक - चारवर्षीय पाठ्यक्रम, विषय- हिंदी की रूपरेखा

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी॰ए॰ प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	हिन्दी काव्य	लिखित	06
बी॰ए॰ प्रथम वर्ष	द्वितीय	A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	लिखित	06
बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T	हिन्दी गद्य	लिखित	06
बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	A010401T	हिन्दी अनुवाद	लिखित	06
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	लिखित	05
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	पंचम	A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	05
बी ए चतुर्थ वर्ष	सप्तम	A010701T	हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ		04
बी ए चतुर्थ वर्ष	सप्तम	A010702T	आदिकाल: इतिहास और साहित्य		04

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	सप्तम्	A010703T	हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखनः परंपरा और दृष्टि	लिखित	04
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	सप्तम्	A010704T	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	लिखित	04
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	सप्तम्	A010705T	हिन्दी सिनेमा	लिखित	04
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	अष्टम्	A010801T	पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) इतिहास और साहित्य	लिखित	04
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	अष्टम्	A010802T	उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) इतिहास और साहित्य	लिखित	04
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	अष्टम्	A010803T	भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नये क्षेत्र	लिखित	04
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	अष्टम्	A010804T	तुलनात्मक साहित्य, अवधी लोक साहित्य भोजनपुरी लोक साहित्य और अनुवाद विज्ञान में से कोई एक प्रश्न पत्र	लिखित	04
बी0ए0 चतुर्थ वर्ष	अष्टम्	A010805T	हिन्दी नाटक और रंगमंच	लिखित	04

- उपर्युक्त लिखित प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त बी0ए0 चतुर्थ, षष्ट तथा अष्टम् सेमेस्टर के प्रत्येक विद्यार्थी को एक शोध परियोजना पूर्ण करनी होगी जिसके अंतर्गत विद्यार्थी दिये गये विषय पर एक लघु शोध प्रबन्ध तैयार करेगा।
- बी0ए0 चतुर्थ षष्ठ् तथा अष्टम् सेमेस्टर में शोध परियोजना के क्रेडिट क्रमशः 3, 4 तथा 4 होंगे।
- शोध परियोजना चतुर्थ तथा षष्ठ सेमेस्टर के लिए वैकल्पिक जबकि अष्टम् सेमेस्टर के लिए अनिवार्य होगी।
- शोध परियोजना हेतु सम्बन्धित विभाग द्वारा छात्र/छात्रा के लिए शोध पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा। इस हेतु आवश्यकतानुसार अन्य विषय का सह पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

क्र0 सं0	नाम	पदनाम	विभाग	कालेज / विश्वविद्यालय
1	प्रो0 ज्योतीश्वर मिश्र (संयोजक)	प्रोफेसर	हिन्दी	के0बी0पी0जी0 कालेज, मीरजापुर
2	प्रो0 वंदना मिश्र (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	जी0डी0 बिनानी पी0जी0 कालेज, मीरजापुर
3	प्रो0 कुसुमलता (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	स्0तंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार, मीरजापुर

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

क्र.	नाम	पदनाम	विभाग	कॉलेज/विश्वविद्यालय
4	डॉ अरविन्द कुमार उपाध्याय (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	हिन्दी	केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय, औराई, भदोही
5	डॉ सुचिता वर्मा (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	हिन्दी	केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय, औराई, भदोही
6	प्रो श्रद्धा सिंह (विशेषज्ञ सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
7	प्रो प्रत्यूष दुबे (विशेषज्ञ सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

GENERAL PROGRAMME OUTCOMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, यथा विभिन्न विधाओं, हिन्दी के रोज़गारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा|
- कंप्यूटर, सिनेमा, अनुवाद आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा|

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- बी. ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के 'हिन्दी काव्य' प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।
- बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के 'कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर' प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के 'हिन्दी गद्य' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के 'हिन्दी अनुवाद' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना' के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय-क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना|
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर . के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य' के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

Dean
Faculty of Humanities
Mata Vindhyavasini University, Mirzapur

- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र **'भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि'** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिन्दी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र **'लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति'** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

- बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'हिंदी भाषा और साहित्य का आरम्भ' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की उत्पत्ति तथा हिंदी साहित्येतिहास के विभिन्न कालखंडों में उसकी विकासयात्रा के विषय में जानकारी देना। आधुनिक काल में मानक हिंदी के रूप में खड़ी-बोली की प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य समझाना।
- बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'आदिकाल: इतिहास और साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी साहित्येतिहास के आदिकाल की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना ,आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण तथा विविध भाषा-रूपों से परिचित कराना तथा इस काल की प्रमुख काव्यधाराओं, कवियों और रचनाओं की समझ विकसित करना।
- बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र 'हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन: परंपरा और दृष्टि' के अंतर्गत साहित्य के परिप्रेक्ष्य में इतिहास तथा इतिहास-दर्शन की विद्यार्थियों की समझ विकसित करना, इतिहास-दर्शन के विभिन्न सिद्धांतों से उनका परिचय कराना तथा हिंदी साहित्येतिहास लेखन में काल-विभाजन, नामकरण आदि के विषय में जानकारी देना।
- बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र 'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र' के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्राचीन काल से लेकर अद्यतन भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन-परंपरा की जानकारी देना तथा उन्हें रस, अलंकार, ध्वनि आदि प्रमुख सिद्धांतों से परिचित कराना। इसी प्रकार ग्रीक सभ्यता के युग से लेकर अद्यतन प्रमुख पाश्चात्य काव्य-सिद्धांतों और चिंतकों के विषय में विद्यार्थियों की जानकारी और समझ विकसित करना।
- बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी सिनेमा' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी सिनेमा के ऐतिहासिक विकास के सम्बन्ध में जानकारी देना, हिंदी सिनेमा में प्रयुक्त होने वाले भाषा के विविध रूपों और युक्तियों से उन्हें परिचित कराते हुए इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने की व्यावहारिक क्षमता का उनमें विकास करना।
- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) : इतिहास और साहित्य' के अंतर्गत भक्ति काव्य के सामजिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक पक्षों से विद्यार्थियों का परिचय कराना ; हिंदी साहित्य में भक्तिकाल के उद्भव और विकास के विविध पक्षों की जानकारी देना तथा कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास और मीराबाई जैसे प्रमुख भक्त कवियों की प्रतिनिधि रचनाओं की व्याख्या और विश्लेषण करते हुए भक्तिकाव्य की गहन समझ विकसित करना।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'उत्तर मध्य काल (रीतिकाल): इतिहास और साहित्य' के अंतर्गत रीतिकाल की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि को समझाते हुए इसके उद्भव और विकास से विद्यार्थियों का गहन परिचय कराना। केशवदास, बिहारीलाल , भूषण और घनानंद जैसे प्रतिनिधि रीतिकालीन कवियों के रचना-संसार का अनावरण और अवगाहन करना।

- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र 'भाषा-विज्ञानं और भाषा-अध्ययन के नये क्षेत्र' के अंतर्गत विद्यार्थियों का भाषा की उत्पत्ति और विभिन्न भाषा-परिवारों से परिचय कराना। ध्वनि,वाक्य,अर्थ और व्याकरणिक कोटियों जैसे भाषा के मूल तत्त्वों की समझ उनमें विकसित करना। हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ ही इसकी संवैधानिक स्थिति और मानकीकरण की स्पष्ट जानकारी देना।

- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-अ), 'तुलनात्मक साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्त्व समझाना तथा कन्नड़, मलयालम, बांग्ला और मराठी की चयनित रचनाओं के माध्यम से अन्य भाषाओं के सापेक्ष हिंदी भाषा और साहित्य की स्थिति को समझना।

- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-ब), 'अवधी साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी की विशिष्ट और समृद्ध बोली अवधी के भाषिक और साहित्यिक इतिहास की जानकारी देना। अवधी के आधुनिक चनिंदा साहित्यकारों की रचनाओं के माध्यम से अवधी क्षेत्र की भाषिक और सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान कराना

- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-स), 'भोजपुरी साहित्य' के अंतर्गत पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की प्रमुख स्थानीय बोली भोजपुरी के भाषिक और साहित्यिक स्वरूप से विद्यार्थियों को परिचित करानां। चयनित रचनाओं के माध्यम से भोजपुरी लोक की चित्तवृत्ति और आकांक्षाओं को समझाना।

- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-द), 'अनुवाद विज्ञान' के अंतर्गत अनुवाद के स्वरुप, प्रक्रिया और महत्त्व की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को देना, साहित्यिक और ज्ञान-विज्ञान के विविध क्षेत्रों के अनुवाद-कार्य में विद्यार्थियों को निपुण बनाकर इस क्षेत्र में उनके लिए रोजगार की सम्भावनाओं को सबल बनाना।

- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी नाटक और रंगमंच' के अंतर्गत विद्यार्थियों में नाटक के स्वरूप और तत्त्वों की समझ विकसित करना, पारसी, भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच की विकास-प्रक्रिया और उनकी विशेषताओं से उन्हें परिचित कराना ; साथ ही चयनित महत्त्वपूर्ण नाटकों के द्वारा नाटक और रंगमंच के व्यावहारिक व्यापार का उन्हें प्रशिक्षण देना।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITTE: हिन्दी काव्य	

Course outcomes:

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना|

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास: भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य,नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य| भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण,भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार,निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद	12

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	(रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति,प्रमुख कवि और उनका काव्य।	
II	आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास : सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण,हिंदी नवजागरण,भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	आदिकालीन कवि : विद्यापति : (विद्यापति पदावली - संपा. :आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35), ग. राधा प्रेम - (36) गोरखनाथ : (गोरखबानी : संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11) अमीर खुसरो : (अमीर खुसरो - व्यक्तित्व एवं कृतित्व :डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली - घ (1), गीत-ड़(4), (13), दोहे - च (पृष्ठ 86),05 दोहे - गोरी सोवे,खुसरो रैन,देख मैं,चकवा चकवी	10
IV	भक्तिकालीन सगुण कवि : सूरदास :(भ्रमरगीत सार-संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस-गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28से 41	11
V	भक्तिकालीन निर्गुण कवि : कबीर :	10

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	(कबीरदास - संपा. श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग -01, 06, 11, 17, 20| ख- बिरह कौ अंग – 04, 10, 12, 20 मलिक मोहम्मद जायसी : (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा. - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड (01से 06पद तक)	
VI	रीतिकालीन कवि: केशवदास : (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश) - लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव – 1, 2, 4, 5 बिहारीलाल : (बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे घनानंद : (घनानंद ग्रन्थावली-संपा.,विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1, 4, 7	11
VII	आधुनिककालीन कवि : भारतेंदु हरिश्चंद्र :मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे जयशंकर प्रसाद :कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :वर दे वीणा वादिनि वर दे, वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानंदन पन्त :मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि महादेवी वर्मा :बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, फिर विकल हैं प्राण मेरे	12
VIII	छायावादोत्तर कवि अज्ञेय :नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की	12

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	मुक्तिबोध :विचार आते हैं, भूल गलती नागार्जुन :अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है धूमिल: मोचीराम, रोटी और संसद	

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. शुक्ल, रामचंद्र,हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
6. सिंह, नामवरआधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र,लखनऊ,2014
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र,लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961,तृतीय संस्करण
11. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य ,इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग,1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई,1940
13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन,भारतीय ग्रन्थ निकेतन,नयी दिल्ली,1991
14. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय,वाराणसी,1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर,साहित्य भवन लिमिटेड,इलाहाबाद,1943
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
17. वर्मा रामकुमार,कबीर का रहस्यवाद,साहित्य भवन,इलाहाबाद,1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व,भारतीय ग्रन्थ निकेतन , दिल्ली,1979
19. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य,साहित्य भवन, इलाहाबाद
20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर,1965

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

21. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद,1993
22. वाजपेयी नन्ददुलारे, सूर संदर्भ,इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
23. त्रिपाठी रामनरेश, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937
24. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग,ज्ञानमंडल लिमिटेड,वाराणसी,1953
25. सिन्हा डॉ. अरविन्द नारायण, विद्यापति : युग और साहित्य , विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
26. डॉ.नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
27. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
28. त्रिगुणायत गोविन्द, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन,कानपुर
29. उपाध्याय विशम्भर नाथ,सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण,विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
30. किशोरीलाल, घनानन्द : काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
31. भटनागर रामरतन, केशवदास : एक अध्ययन, किताब महल , इलाहाबाद,1947
32. शर्मा किरणचन्द्र, केशवदास : जीवनी , कला और कृतित्व,भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली,1961
33. डॉ. नगेन्द्र, कामायनी क्र अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
34. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग-2, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1981, द्वितीय संस्करण
35. गौड़, राजेंद्र सिंह, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एंड संस, आगरा, 1953
36. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
37. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1970
38. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज
39. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
40. शर्मा, रमेश, पन्त की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर
41. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
42. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
43. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन का रचना संसार, सम्भावना प्रकाशन, हापुड़, 1982
44. अष्टेकर, कटघरे का कवि धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
45. नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
46. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, आत्मसंघर्ष की कविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
47. सिंह, शम्भूनाथ, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
48. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
49. सिंह, डॉ उदय प्रताप, नाथपंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: II
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010201T	COURSE TITTE: कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	
Course outcomes: हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सके एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोज़गार प्राप्त कर सकें|		
CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र : कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी	11
II	कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली : शब्दावली निर्माण के सिद्धांत	11

Hindi
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini Uni... ...apur

	कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवंविधिक शब्दावली	
III	कार्यालयी हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञाप विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	12
IV	प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवनएवं प्रतिवेदन : प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	11
V	हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम : कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	11
VI	हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी : इन्टरनेट और हिन्दी, ई मेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	11

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

VII	हिन्दी भाषा और ई शिक्षण : इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य-श्रृव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदंर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	11
VIII	हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण	12

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. शर्मा, पी. के., कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

14. संजय द्विवेदी (संपा.), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली 15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली 16. कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: कार्यालय की कार्यविधि का कार्यालयों में जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करना, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना, प्रायोगिक एवं एवं परियोजना कार्य, कम्प्यूटर टाइपिंग, पीपीटी एवं पोस्टर बनाना
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	BA II YEAR	SEMESTER: III
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010301T	COURSE TITTE: हिन्दी गद्य	

Course outcomes:

हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें|

CREDITS	MAX. MARKS:	MIN. PASSING MARKS
6	25+75	33

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास	12
II	हिन्दी गद्य की महत्त्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय : कहानी	12

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	उपन्यास नाटक एकांकी निबंध यात्रा वृत्तान्त संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी	
III	**हिन्दी उपन्यास :** महाभोज - मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली	11
IV	हिन्दी कहानी पंच परमेश्वर - प्रेमचन्द पाजेब - जैनेन्द्र गैंग्रीन - अज्ञेय परदा- यशपाल तीसरी कसम - रेणु पिता - ज्ञान रंजन	11
V	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी :** नाटक : ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद एकांकी : दीपदान - डॉ रामकुमार वर्मा लक्ष्मी का स्वागत - उपेंद्रनाथ अश्क	11

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyawasini University, Mirzapur

VI	हिन्दी निबन्ध : भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र मित्रता - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल - हजारीप्रसाद द्विवेदी उत्तरा फाल्गुनी के आसपास - कुबेरनाथ राय तुम चन्दन हम पानी–डॉ. विद्यानिवास मिश्र	11
VII	अन्य गद्य विधाएं - प्रथम खण्ड : रेखाचित्र (गिल्लू- महादेवी वर्मा) संस्मरण - रजिया (माटी की मूरतें) - रामवृक्ष बेनीपुरी जीवनी - कलम का सिपाही (अमृत राय) चयनित अंश - कर मुँह धो ..... गुड़ जरूरी था पृ 17- 21, लोकभारती प्रकाशन ,प्रयागराज रिपोर्ताज-(रेणु - ऋणजल धनजल) चयनित अंश- जो बोले सो निहाल, पृ 34, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली	11
VIII	अन्य गद्य विधाएं - द्वितीय खण्ड : यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा - राहुल सांकृत्यायन) चयनित अंश - ल्हासा से उत्तर की ओर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज आत्मकथा- (अपनी खबर - पांडेय बेचन शर्मा उग्र) चयनित अंश - चुनार, पृ 38- 51, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली	11

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. तिवारी. रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , 1992
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
7. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975
8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
9. वर्मा, डॉ. रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत : ई पुस्तकालय

Dean
Faculty of Humanities
Mahatma Vindhyavasini University, Mirzapur

10.हरिश्चंद्र भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11.प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
12.गुप्ता सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण, 1951
13.ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
14.रस्तोगी गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
15.ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
16.त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17.किशोर ब्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन
18.रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
19.कुमार, सिद्धनाथ, हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
20.महेंद्र, डॉ. रामचरण, एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21.महेंद्र, डॉ. रामचरण, हिन्दी एकांकी, उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|

Suggested Continuous Evaluation Methods:

1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
2. वाचन

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Ma… University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	BA II YEAR	SEMESTER: IV
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010401T	COURSE TITTE: हिन्दी अनुवाद	

Course outcomes:

विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार प्रसार में सहायक बनाना।

CREDITS	MAX. MARKS:	MIN. PASSING MARKS
6	25+75	33

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद : परिभाषा , स्वरूप अनुवाद का महत्त्व अनुवाद के अन्य रुप : लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण,दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं	11
II	अनुवाद के क्षेत्र : प्रक्रिया	11

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	प्रकार सीमाएँ अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान	
III	अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ : संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11
IV	अनुवाद के साधन : अनुवाद में कोश का महत्त्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग	11
V	पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11
VI	अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथासमीक्षा :	11

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	
VII	अनुवाद सैद्धांतिकी– एक : (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII	अनुवाद सैद्धांतिकी– दो : सामजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद - निम्नलिखित अंग्रेजी की साहित्यिक रचनाओं का हिंदी अनुवाद - 1. Civilization - C.E.M. Joad 2, Why I Write - George Orwell 3.Stopping By Wood On A Snowy Evening - Robert Frost 4. The Last Leaf - O Henry	12

संदर्भ ग्रन्थ -

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ,2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी , तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद ,दिल्ली,1994
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6, तिवारी भोलानाथ , चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली , केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा,1997
8. तिवारी भोलानाथ , चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1973
9. तिवारी भोलानाथ ,कुमार कृष्ण , कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1987
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद,2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली,2018
12.टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार,अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली,2005
13. कुंचीपादम सीता,बैंकों में अनुवाद प्रविधि,भारतीय अनुवाद परिषद,दिल्ली,1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम,अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ,साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली,1999

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

17. https://shabdavali.rbi.org.in/ (बैंकिंग शब्दावली)

18. https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोश)

19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi(अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

20. https://www.oxfordlearnersdictionaries.com/us/ (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma.

सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित

Suggested equivalent online courses:

.....

Further Suggestions:

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

.....

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010501T	COURSE TITTE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	

Course outcomes:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय - क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे |

CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरुप काव्य की आत्मा	09
II	भारतीय काव्य सिद्धांत: अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धांत	09

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	
III	साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ काव्य रूप काव्य गुण शब्द शक्ति काव्य दोष	09
IV	नाट्यशास्त्र : भारतीय नाट्यशास्त्र का सामन्य परिचय वृत्ति अभिनय रुपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएं	09
V	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत रिचड्र्स का संप्रेषण सिद्धांत टी.एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	09
VI	हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी : हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना स्वछन्दतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना	10
VII	समीक्षाकी विचारधाराएँ : नयी समीक्षा	10

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	नवशास्त्रवाद यथार्थवाद आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद कलावाद बिम्बवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद	
VIII	आलोचक एवं आलोचना दृष्टि : रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य - नई मान्यताएं डॉ. नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	10

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. शर्मा,देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नवल, नंदकिशोर, हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़.1987
4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशात्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशात्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6.त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
7.तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
8. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली,

Dean
Faculty of Humanities
Vindhyavasini University, Mirzapur

2007 9.जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,1990
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: पुस्तक समीक्षा
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010502T	COURSE TITTE: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	
Course outcomes: हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना|		
CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य : चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज, जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां-------- ----भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे -------- लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II	भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य : गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो,	09

Dean
Faculty of Humanities
Rani Vindhyavasini Univ.

	भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखैं	
III	भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य : भारतेंदु हरिश्चंद्र :उन्नतचितह्वैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि मैथिलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि	09
IV	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य : जयशंकर प्रसाद :प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदी :पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : बालकृष्ण शर्मा नवीन :कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है रामधारी सिंह 'दिनकर': शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद': झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण : श्यामनारायण पाण्डेय :चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी :उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो गोपालप्रसाद व्यास :खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण : सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग	10

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	में) अटलबिहारी वाजपेयी :कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें	
VIII	हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य: कवि प्रदीप:आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत-1943) कवि प्रदीप:ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (ग़ैर फ़िल्मी) कवि प्रदीप:हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के (जाग्रति-1954) कवि प्रदीप:आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की (जाग्रति-1954) साहिर लुधियानवी: ये देश है वीर जवानों का (नया दौर-1957) प्रेम धवन :छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी-1961 नीरज :ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961) कैफ़ी आज़मी:कर चले हम फ़िदा जाने तन साथियों (हकीकत-1964) राजेन्द्र कृष्ण: जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा (फ़िल्म- सिकंदर-आज़म-1965) गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार : 1967) इन्दीवर: है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम-1971) प्रसून जोशी: देस रंगीला रंगीला देस म्हारा रंगीला (फ़ना-2006)	10

सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) :

सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा-

आनंदमठ
हकीक़त
उपकार

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

शहीद
गाँधी
उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक
केसरी

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन1906.
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि .
10. ब्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
11. गिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर(संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
15. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014
16. अरुण, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020
17. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
18. kavitakosh.org
19. epustakalay.com
20. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India)
21. hindigeetmala.net

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. फिल्म विशेष के सन्देश पर परियोजना कार्य 2. वाचन
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER :VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010607T	COURSE TITTE: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	

Course outcomes:

भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकासऔर देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषाविज्ञान कासामान्य परिचय : भाषा : परिभाषा,स्वरूप, अभिलक्षण भाषाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार,क्षेत्र, शाखाएँ	08
II	भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि शब्द रूप वाक्य	12

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	अर्थ	
III	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	09
IV	हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत : भारतीय तथा विदेशी स्रोत। तत्सम, अर्द्धतत्सम, तद्भव, देशज, अन्य भारतीय तथा विदेशी भाषाओं के शब्द, संकर शब्द	08
V	हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय : पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी	09
VI	हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति : राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
VII	देवनागरी लिपि : नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन : अवधी बोली का विकास क्रम अवधी बोली का साहित्यिक विकास	09

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्माआचार्यदेवेन्द्रनाथ , भाषाविज्ञानकीभूमिका, राधाकृष्णप्रकाशन, दरियागंजनयीदिल्ली,1972
2. द्विवेदीकपिलदेव , भाषा-विज्ञानएवंभाषा-शास्त्रविश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी,1980
3. शर्माडॉ. रामकिशोर , हिन्दीभाषाकाऐतिहासिकपरिप्रेक्ष्य, विद्याप्रकाशन, इलाहाबाद,1994
4. तिवारीभोलानाथ , हिंदीभाषाकाइतिहास, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली,1987
5. त्रिपाठीसत्यनारायण , हिंदीभाषाऔरलिपिकाऐतिहासिकविकास, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी,1981
6. शर्माराजमणि , हिंदीभाषा: इतिहासएवंस्वरूप , वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली,2014
7. तिवारीभोलानाथ , भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद,1999
8. वर्माडॉ.धीरेन्द्र, हिन्दीभाषाऔरलिपि, हिन्दुस्तानीएकेडमी, प्रयाग, 1951
9. बाहरीहरदेव., हिन्दीभाषा, अभिव्यक्तिप्रकाशन, दिल्ली, 2017

बाहरीहरदेव , हिन्दीउद्भव, विकासऔररुप , किताबमहल , इलाहाबाद, 42वाँसंस्करण, 2018

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|

Suggested Continuous Evaluation Methods:

कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER : VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010602T	COURSE TITTE: लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	

Course outcomes:

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	लोक साहित्यका सामान्य परिचय : लोक साहित्य : परिभाषा ,क्षेत्र ,वर्गीकरण,	09
II	लोक साहित्यऔर शिष्ट साहित्य : लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	09
III	लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण,लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन : लोक साहित्य संकलन,संरक्षण एवं संवर्द्धन,राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।	09
V	लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोक गीत ,लोक गाथा ,लोक कथा ,लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

VI	लोक का प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्तियाँ,मुहावरे एवं पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्त्व	08
VII	हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम : हिंदी का लोक साहित्य, इतिहासः अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10
VIII	पूर्वांचल (पूर्वी उत्तर प्रदेश) का लोक-साहित्य : अवधी एवं भोजपुरी लोक-साहित्य। लावनी, कजरी,सोहर,आल्हा, बिरहा, चइती, फाग,पचरा, निर्गुण, नौटंकी, रामलीला।	12

Suggested Readings:

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.प्रसाद, डॉ.दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति ,लोक भारती प्रकाशन ,प्रयागराज, 1973

2. शर्मा, डॉ.श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर ,आगरा, 1973

3. सक्सेना, डॉ. उषा,लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन ,दिल्ली,2007

4. उपाध्याय,कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका ,साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड , प्रयागराज, 1957

5. सुमन, रामनाथ, संपादक,सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010

6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता ,प्रकाशन केंद्र ,लखनऊ, 2019

7. मिश्र, डॉ. श्रीधर,भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन ,हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971

8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह,भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स ,नई दिल्ली, 2018

9. बिसारिया, डॉ.पुनीत एवं यादव,डॉ.वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली,2009

10. डॉ. सत्येंद्र ,लोक साहित्य विज्ञान ,शिवलाल अग्रवाल कंपनी,आगरा, 1971

11. तिवारी, रामनारायण, अवधी भाषा और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

12. पांडेय, रामशरण, अवधी लोकगीत: एक अध्ययन, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

13. उपाध्याय,कृष्णदेव,भोजपुरी लोक का अध्ययन,हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय,वाराणसी, 1949

14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा

15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|
Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष का भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010701T	COURSE TITLE: हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

इस पत्र के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य के आरम्भ के विभिन्न स्रोतों, मान्यताओं, रचानात्मक परिदृश्य की समझ हासिल की जाएगी। साथ ही विभिन्न संज्ञाओं के जन्म की कहानी, उनके अर्थसंकोच और अर्थविस्तार के कारकों की भी पहचान की जाएगी। अपभ्रंश, अवहट्ट, मैथिली, दक्खिनी हिन्दी आदि के आरम्भिक सृजन संसार और भाषा निर्माण की प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाएगा। हिन्दी क्षेत्रों की विभिन्न भाषाओं/उपभाषाओं का अध्ययन भी इस पत्र में प्रस्तावित है।

1. इकाई 1
   हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति सम्बन्धी मतों को जानना, हिन्दी के विविध रूपों की पहचान एवं उसकी विकास यात्रा को समझना, हिन्दी क्षेत्रों की विविध उपभाषाओं की जानकारी।
2. इकाई 2
   हिन्दी भाषा के विकास को विभिन्न साहित्येतिहास कालखंडों के आईने में परखना, खड़ी बोली के विभिन्न रूपों को विचारकों की दृष्टि से समझना।
3. इकाई 3
   हिन्दी साहित्य के आरम्भ को अपभ्रंश के उत्तरवर्ती दौर से, सिद्धों-नाथों एवं लौकिक साहित्य यात्रा के माध्यम से समझना।
4. इकाई 4
   खड़ी बोली के स्वरूप को फोर्ट विलियम कॉलेज से आधुनिक काल तक समझना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी भाषा I**	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	हिन्दी शब्द का अर्थ, हिन्दी की अवधारणा, अपभ्रंश एवं आधुनिक भाषाएँ / उपभाषाएँ, हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, हिन्दी क्षेत्र: पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, पहाडी, बिहारी, दक्खिनी हिन्दी: क्षेत्र और विकासक्रम, भाषा रूप: हिन्दी, हिन्दुई, हिन्दुस्तानी, उर्दू।	
II	**हिन्दी भाषा II** हिन्दी भाषा का विकास: आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल, हिन्दी अस्मिता सम्बन्धी विभिन्न मत। भारतेंदु हरिश्चन्द्र, लक्षमण सिंह, राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद, द्विवेदी युग एवं हिन्दी भाषा का स्वरूप।	15
III	**हिन्दी साहित्य का आरंभ I** उत्तर अपभ्रंश, अवहट्ट एवं पुरानी हिन्दी सम्बन्धी स्थापनाएँ और हिन्दी साहित्य का आरम्भ, प्रथम कवि और प्रथम रचना, अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त परिचय, अपभ्रंश का जैन साहित्य और रचनाओं का वर्गीकरण, नाथ सम्प्रदाय और साहित्य, लौकिक साहित्य एवं उनकी विशेषताएँ।	15
IV	**हिन्दी साहित्य का आरंभ II** फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी, हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में विभिन्न विद्वानों/विचारकों की मान्यताएँ: गार्सा द तांसी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, जॉर्ज ग्रियर्सन, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महात्मा गांधी, रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, हजारीप्रसाद द्विवेदी।	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल, प्र0 हिन्दी परिषद प्रयाग।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini Uni:: Mirzapur

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010702T	COURSE TITLE: आदिकाल: इतिहास और साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, विभिन्न परिस्थितियाँ, भाषा रूपों का अध्ययन अपेक्षित है। साथ ही भविष्य के हिन्दी साहित्य और संस्कृति की पीठिका की समझ का निर्माण भी होगा। कतिपय चयनित अंशों के माध्यम से आदिकालीन रचना परिदृश्य को समझने का प्रयास होगा।

1. इकाई 1
   आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण, भाषा रूप आदि को समझना।
2. इकाई 2
   आदिकाल की पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करना।
3. इकाई 3
   आदिकाल की पृष्ठभूमि को रासो, लौकिक साहित्य और अमीर खुसरो की दृष्टि से समझना।
4. इकाई 4
   सरहपा, चंदबरदाई, विद्यापति, और खुसरो की कविता के चयनित अंशों की समझ प्राप्त करना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**आदिकाल की पृष्ठभूमि I** आदिकाल: नामकरण सम्बन्धी विचार एवं काल निर्धारण, परिवेश, राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, आदिकालीन भाषा रूप।	15
II	**आदिकाल की पृष्ठभूमि II** अपभ्रंश साहित्य: पृष्ठभूमि और प्रभाव, आदिकाल की उपलब्ध सामग्री. प्रमाणिकता, ग्रहण और त्याग का सन्दर्भ, सिद्ध साहित्य और जैन साहित्य।	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

III	**आदिकाल की पृष्ठभूमि III** रासो साहित्य, पृथ्वीराज रासो- विभिन्न संस्करण, प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता के लिए तर्क, काव्योत्कर्ष, अमीर खुसरो, विद्यापति, लौकिक साहित्य और उसकी विशेषताएँ।	15
IV	**चयनित अंश** इस युनिट में निर्धारित पद्यांश की व्याख्या और काव्य सौन्दर्य का उद्घाटन अपेक्षित है- 1. सरहपा – हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-नामवर सिंह में संकलित सरहपा के दस दोहे। 2. चन्दबरदाई- पृथ्वीराज रासउ – संयोगिता परिणय, माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी। 3. विद्यापति–नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशन, गीत संख्या3,4,5,6,9,14,17,20,25,37और 64 4. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक – ब्रजरत्न दास (मुकरी-156, 160, 162, 168, 175, 184, 185, 188, 197, 204 - दस दोहे) गीत-95, 112, 113, 116, 125, 126 कुल छ: गीत।	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं0विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल, प्र0 हिन्दी परिषद प्रयाग।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र।
11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना0प्र0 सभा, वाराणसी।
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 14. कीर्तिलता और अवहट्ट - शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 16. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान - नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद। 17. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 18. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। 19. चन्दबरदाई. पृथ्वीराज रासउ - संयोगिता परिणयए माताप्रसाद गुप्तए साहित्य सदनए चिरगांवए झांसीद्य 20. विद्यापति - नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशनए नई दिल्ली। 21. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक - ब्रजरत्न दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous luation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010703T	COURSE TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन: परम्परा और दृष्टि

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन संबंधी विभिन्न दृष्टियाँ रही हैं। इस पत्र के माध्यम से इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास की परंपरा, काल विभाजन एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन किया जायेगा। पत्र का उद्देश्य विभिन्न दृष्टियां की स्पष्ट समझ का निर्माण करना है।

1. इकाई 1
   इतिहास दर्शन को साहित्य के अलोक में समझना।
2. इकाई 2
   इतिहास लेखन परम्परा में नामकरण, काल विभाजन आदि को जानना।
3. इकाई 3
   साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों को समझना।
4. इकाई 4
   साहित्येतिहास दर्शन के अन्य प्रमुख सिद्धांतों को समझना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**इतिहास लेखन परंपरा - I** इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप, इतिहास दर्शन, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचन।	15
II	**इतिहास लेखन परंपरा - II** हिन्दी साहित्येतिहास की परंपरा, हिन्दी साहित्येतिहास के आधार, काल विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।	15
III	**साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त - I** विधेयवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

IV	**साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त – II** इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी एवं एल0जी0बी0टी0 के संदर्भ।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-एक), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी। 6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद 8. साहित्य का इतिहास-दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 10. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली 11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Mata Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010704T	COURSE TITLE: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भारतीय ज्ञान परंपरा के काव्यशास्त्रीय परम्परा से परिचित होंगे।
2. इकाई 2
   भारतीय काव्यशास्त्र के ध्वनी, वक्रोक्ति, औचीत्य आदि सिद्धांतों से परिचय प्राप्त करेंगे।
3. इकाई 3
   पाश्चात्य काव्यशास्त्र की व्यापक समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   पाश्चात्य दार्शनिकों के दर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भारतीय काव्यशास्त्र – I** • काव्य लक्षण • काव्य हेतु • काव्य प्रयोजन • काव्य के प्रकार **रस सिद्धांत** • रस सिद्धांत • रस का स्वरुप • रस निष्पत्ति • रस के अंग • साधारणीकरण	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	• सहृदय की अवधारणा अलंकार सिद्धांत • मूल स्थापनाएं • अलंकारों का वर्गीकरण रीति सिद्धांत • रीति की अवधारणा • काव्य गुण • रीति एवं शैली • रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं	
II	भारतीय काव्यशास्त्र – II वक्रोक्ति सिद्धांत • वक्रोक्ति की अवधारणा • वक्रोक्ति के भेद • वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ध्वनि सिद्धांत • ध्वनि का स्वरुप • ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं • ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद • गुणीभूत व्यंग्य • चित्र काव्य औचित्य सिद्धांत • प्रमुख स्थापनाएं औचित्य के भेद	15
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – III प्लेटो • काव्य सिद्धांत अरस्तू • अनुकरण सिद्धांत • त्रासदी • विरेचन लान्जाइनस • औदात्य की अवधारण	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	ड्राइडन • काव्य सिद्धांत वर्ड्सवर्थ • काव्य भाषा का सिद्धांत कोलरिज कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना	
IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – IV • मौथ्यु ओर्नाल्ड • आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य टी.एस.इलियट • परम्परा की परिकल्पना और वैक्तिक प्रज्ञा • निर्वैक्तिकता का सिद्धांत • वस्तुनिष्ठ समीकरण आई.ए.रिचर्ड्स • रागात्मक अर्थ • सम्बेगों का संतुलन • सम्प्रेषण सिद्धांत सिद्धांत और वाद • स्वच्छन्दतावाद • अभिव्यंजनावाद • मार्क्सवाद • मनोविशलेषणवाद • अस्तित्त्ववाद • उत्तरआधुनिकता अन्य बिंदु • मिथक • फंतासी • कल्पना • बिम्ब	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	• प्रतीक	

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ0 राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना।
2. समीक्षा दर्शन : डॉ0 रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र0 इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी।
4. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र, प्र0 विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. रस-विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
7. कविता के प्रतिमान : डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर।
8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, प्र0 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश-त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई।
10. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र।
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods:

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VII
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010705T	COURSE TITLE: हिन्दी सिनेमा	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भारतीय सिनेमा का इतिहास समझने में मदद मिलेगी।
2. इकाई 2
   भारतीय सिनेमा के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त होगी।
3. इकाई 3
   सिनेमा से जुड़े तमाम शब्दावलियों का गहनता से अध्ययन सुनिश्चित की जाएगी।
4. इकाई 4
   सिनेमा के प्रायोगिक कार्य से विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नये मार्ग प्रशस्त होंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+50	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी सिनेमा –I** • हिन्दी सिनेमा का आरम्भ • हिन्दी सिनेमा और दादा साहब फाल्के • हिन्दी मूक सिनेमा • हिन्दी सवाक सिनेमा • भारतीय सिनेमा का अति संक्षिप्त परिचय	15
II	**हिन्दी सिनेमा –II** • सन 1947 से 1980 के दौर का हिन्दी सिनेमा (प्रमुख फिल्में – आवारा , दो बीघा ज़मीन, उसने कहा था, मेरा नाम जोकर, मदर इंडिया और शोले) • सन 1980 से 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – मिस्टर इंडिया, एक डॉक्टर की मौत, चश्मे बद्दूर, छत्तीस चौरंगी लेन और अंगूर)	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	• सन 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – चक दे इंडिया, द लिजेंड ऑफ़ भगत सिंह, स्लमडॉग मिलियनेयर, मेरी कॉम और दंगल) • हिंदी सिनेमा : विषय वैविध्य (समसामयिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनितिक पहलू)	
III	**हिन्दी सिनेमा –II** • प्रमुख व्यक्तित्व : राजकपूर, श्याम बेनेगल, हृषिकेश मुखर्जी, ओमपुरी, दिलीप कुमार, के.एल. सहगल, मीना, वहीदा रहमान और स्मिता पाटिल आदि) • समानांतर सिनेमा • प्रतिबंधित सिनेमा • सिनेमाई भाषा का स्वरुप • सेंशरशिप • हिंदी सिनेमा :प्रतिरोध और विमर्श ▪ स्त्री प्रतिरोध (मंडी, छपाक, लज्जा और मेरी कॉम) ▪ दलित प्रश्न (अछूत कन्या और सद्गति) ▪ आदिवासी जीवन (माझी : द माउन्टेन मैन, मृगया) ▪ बाल सिनेमा (तारे जमीं पर, मासूम, मकड़ी) • भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी सिनेमा • डिजिटल सिनेमा का संक्षिप्त परिचय	15
IV	**चतुर्थ इकाई में हिंदी सिनेमा से सम्बंधित प्रायोगिक कार्य निर्धारित है -** • किन्ही दो साहित्य आधारित फिल्मों का अध्ययन (काबुलीवाला, उमराव जान, रजनीगंधा, गाइड, तीसरी कसम, थ्री इडियट्स, निशांत, नौकर की कमीज, चरणदास चोर) • फिल्म समीक्षा • फिल्म निर्माण और मूल्यांकन (उपलब्ध संसाधन से) • समसामयिक फीचर फिल्म/डॉक्युमेंट्री/रिपोर्ट लेखन पर समूह चर्चा • शोध पत्र/लेख समीक्षा का प्रस्तुतिकरण • मौखिकी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	2. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली 3. विश्व सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ 100 फ़िल्में, राकेश मित्तल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 4. डायरेक्टर्स कट, जावेद हमीद, अतुल्य पब्लिकेशंस, दिल्ली 5. जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 6. हिन्दी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 7. प्रतिरोध और सिनेमा, महेंद्र प्रजापति, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली 8. जिन्दगी, गुरुदत्त 9. दो गुल्फामों की तीसरी कसम, अनंत कुर्थौल, कीकट प्रकाशन, पटना 10. बिछड़े सभी बारी-बारी, विमल मित्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 11. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण, विनोद दास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010801T	COURSE TITLE: पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल): इतिहास और साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   क . भक्ति काल के दार्शनिक सामाजिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पक्षों को जानना।
   ख. भक्ति काल के उद्भव एवं विकास के विभिन्न पक्षों को जानना।
   ग. भक्ति काल की आरंभिक भारतीय स्वरूप को जानना।
2. इकाई 2
   कबीर काव्य के कतिपय आस्वाद धरातालों से परिचित होना।
   मलिक मोहम्मद जायसी के पद्मावत के सौंदर्य एवं साहित्य बोध को जानना।
3. इकाई 3
   भ्रमरगीत के दार्शनिक एवं साहित्यिक पीठिका के रचना अंशों को समझना।
4. इकाई 4
   तुलसीदास की प्रतिनिधि रचना रामचरितमानस के कतिपय अंशु से परिचित होना।
   मीरा के काव्य में कतिपय अंशों से परिचित होना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**पूर्व मध्यकाल का इतिहास (भक्तिकाल)** • सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य • उद्भव और विकास • भक्तिकाल का भूगोल	15
II	**कबीर ग्रंथावली - संपादक : श्यामसुन्दर दास, ना0 प्र0 सभा, काशी** • गुरुदेव कौ अंग: 1, 20, सुमिरन कौ अंग : 4, 14 , विरह कौ अंग : 12, 24 • ग्यान बिरह कौ अंग : 5, 10, परचा कौ अंग : 3, 5	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	• पद संख्या 1, 23, 39, 59, 71 (कुल 5 पद) **जायसी : पद्मावत : सं. रामचन्द्र शुक्ल :** नागमती-वियोग खंड	
III	**सूरदास : भ्रमरगीत सार -** सं0 रामचन्द्र शुक्ल, ना0 प्र0 सभा, काशी : पद संख्या 2, 5, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 23, 25	15
IV	**तुलसीदास : रामचरितमानस :** तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर : अयोध्या काण्ड से सीता-राम संवाद : (मासपारायण, चौदहवाँ विश्राम से लेकर दोहा संख्या 67 की दौ चौपाइयों तक) **मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-110002** 5 पद - मण थें परस हरि रे चरण, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, माई री म्हाँ लियां गोविदाँ मोल, यें मत बरजां माइरी	15

संदर्भ ग्रन्थ:

12. कबीर : आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी,सभा
14. त्रिवेणी : सं0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
15. सूर साहित्य : आ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक - डॉ0 नगेन्द्र
17. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
18. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
19. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह
20. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी
21. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा
22. जायसी : विजयदेवनारायण साही
23. महाकवि जायसी और उनका काव्य : इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाषन
24. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र
25. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010802T	COURSE TITLE: उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल): इतिहास और साहित्य	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   रीतिकाल के सामाजिक, राजनैतिक परिदृश्य को समझना, उद्भव और विकास की यात्रा की समझ हासिल करना।
2. इकाई 2
   बिहारी और केशवदास के काव्य संसार को समझना!रचना सौंदर्य का उद्घाटन करना।
3. इकाई 3
   भूषण के रचना सौंदर्य का उद्घाटन।
4. इकाई 4
   घनानंद रचना सौंदर्य का का उद्घाटन।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**उत्तर मध्यकाल का इतिहास (रीतिकाल)** • सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य • उद्भव और विकास	15
II	**बिहारी सतसई : बिहारी रत्नाकर , सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005 ई.** दोहा संख्या : 1, 9, 20, 38, 55, 85, 135, 171, 191, 207, 300, 406, 428, 588, 658 **रामचंद्रिका : केशवदास; केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन** 11वाँ प्रकाश - छंद सं0 1 से 5 तक, 12वाँ प्रकाश - छंद सं0 1 से 5 तक	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

III	**भूषण-ग्रंथावली, प्रधान संपादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी, शरत्पूर्णिमा, संवत् 1993** शिवा बावनी : प्रताप वर्णन, रण-प्रस्थान वर्णन, विजय वर्णन छत्रसाल दशक : पराक्रम वर्णन, दान वर्णन	15
IV	**घनानंद कवित्त : सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र** 10 छंद : छंद सं0 1, 5, 8, 9, 15, 17, 19, 68, 70, 71	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश
2. बिहारी : ओमप्रकाश
3. बिहारी की काव्य सृष्टि : जयप्रकाश
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथप्रसाद मिश्र
5. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना : बच्चन सिंह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. भूशण विमर्ष : भागीरथप्रसाद दीक्षित
8. महाकवि भूशण : भागीरथप्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
9. वीर काव्य : भागीरथप्रसाद दीक्षित
10. घनानंद : एरिस बंका
11. घनानंद (साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ)
12. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र
13. रीतिकाव्य : नंदकिषोर नवल, राजकमल प्रकाशन
14. रीतिकाव्य : मूल्यांकन के नये आयाम, सं. डॉ0 प्रभाकर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Mata Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010803T	COURSE TITLE: भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भाषा की उत्पत्ति के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे साथ-ही-साथ विभिन्न भाषा परिवार की भाषाओं से भी परिचय प्राप्त करेंगे।
2. इकाई 2
   भाषा कीसूक्ष्मतमइकाई ध्वनि के बारे में व्यापक समझ बनेगी।
3. इकाई 3
   हिंदी भाषा के उद्भव और विकास की विस्तृत जानकारी के साथ ही हम राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरुप के बारे में भी जान सकेंगे।
4. इकाई 4
   भाषा की मानकीकरण की व्यापक समझ विकसित होगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा , भाषोत्पति के विविध सिद्धान्त, भारत में भाषा अध्ययन एवं भाषा विज्ञान की परम्परा। भाषा का वर्गीकरण : पारिवारिक एवं आकृतिमूलक, भारत के विभिन्न भाषा परिवार की विषेशताएँ और हिन्दी।	15
II	**ध्वनि विज्ञानः** अर्थ एवं अवधारणा, ध्वनि परिवर्तन के कारण व दिशायें, पद विज्ञानः अर्थ और अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ विज्ञानः अर्थ और अवधारणा, अर्थ प्रतीति के साधन अर्थ परिवर्तन के कारण व दिशायें, **वाक्य विज्ञानः** अर्थ और अवधारणा, वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव, **व्याकरणिक कोटियाँः** अभिप्राय एवं उद्देश्य, रूपिम की परिभाषा एवं प्रकार, कोश विज्ञान व शैली विज्ञान का स्वरूप	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

III	हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी राजभाषा के रूप में हिन्दी की वर्त्तमान स्थिति, राष्ट्रभाषा के आवश्यक गुण और हिन्दी, वैष्विक हिन्दी	15
IV	हिन्दी मानकीकरण, समस्या और समाधान, आधुनिक तकनीकी विकास और हिन्दी देवनागरी लिपि के उद्भव, विकास एवं इसकी वैज्ञानिकता	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृश्ण प्रकाशन दिल्ली
2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद
4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. राश्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान-देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
6. हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी।
7. भाषा षास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी
8. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना
9. हिन्दी - उद्भव, विकास और रूप : डॉ0 हरदेव बाहरी
10. भारत की भाषा -समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
11. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना
12. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन
13. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा
14. आधुनिक भाषा विज्ञान : राजमणि शर्मा
15. हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन
16. संपर्क भाषा हिन्दी : सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Mata Vindhyavasini University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010804TA	COURSE TITLE: तुलनात्मक साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   तुलनात्मक साहित्य के सामाजिक संस्कृतिक महत्व को समझना।
2. इकाई 2
   कन्नड़ और हिंदी के उपन्यासो के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से संस्कृतिक, सामाजिक निर्मितियों संरचनाओं को समझना।
3. इकाई 3
   रविंद्रनाथ टैगोर की कविताओं के अध्ययन में भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना।
4. इकाई 4
   मराठी नाट्य विधा के द्वारा महाराष्ट्र की संस्कृति एवं सभ्यता को समझना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	तुलनात्मक साहित्य : अर्थ और अवधारणा, तुलनात्मक भारतीय साहित्य का स्वरूप और विभिन्न स्कूल	15
II	उपन्यास : संस्कार : यू आर अनंतमूर्ति, (कन्नड़ से अनुदित)	15
III	कविता : रवीन्द्रनाथ टैगौर की 3 कविताएं : भारत तीर्थ, मुक्ति, प्रार्थना (बांग्ला से अनुदित) कहानी : अँधेरे की आत्मा : एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम से अनुदित)	15
IV	नाटक : घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर, (मराठी से अनुदित)	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधुरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1983	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

2. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य शास्त्र : इतिहास और समीक्षा : (भूमिका) डॉ. भागीरथ मिश्र, लेखक विष्णुदत्त राकेश, साहित्य सदन, देहरादून
4. तुलनात्मक साहित्य : (सं.) डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985.
5. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप एवं समस्याएँ : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
6. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
7. तुलना और तुलना : डॉ0 के0 वनजा, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2001
8. तुलनात्मक साहित्य समाकलन : टी0 जी0 मयंकड, (सं0) डॉ0 नगेन्द्र
9. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत उपयोजन, डॉ0 आनंद पाटिल, हिन्दी बुक कारपोरेषन, दिल्ली, 2006
10. बांड्ला साहित्य का इतिहास सुकुमार सेन (अनुवादक) निर्मला जैन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2004.
11. बांग्ला और उसका साहित्य : श्री हंस कुमार तिवारी, (सं.) क्षेमचन्द्र सुमन, राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली
12. कहानी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 सी0 एम0 योहान्नन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. भारतीय साहित्य के निर्माता : शिशिर कुमार घोष, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2008
14. भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन : (सं0) डॉ0 शंभुनाथ पाण्डेय, डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा से प्रकाशित, 1966
15. भारतीय भाषाओं के पुरस्कृत साहित्यकार : (सं0) डॉ0 आरसु, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
16. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नयी परिभाषा : डॉ0 सुरेन्द्र एस. बारलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ
17. The criticism of comparison, contemporary critcism (सं0) मैलकॉक ब्रैडवरी, डेविड पामर
18. तौलनिक साहित्याभ्यास : बसंत बापट, मौज प्रकाषन, मुंबई, 1990
19. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी साहित्य : सरोकार और साक्षात्कार : डॉ0 आरसु, परमेश्वरी प्रकाशन (किताबघर प्रकाशन का उपक्रम), दिल्ली
21. इस्पातिका : भारतीय उपन्यास विषेशांक

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010804TB	COURSE TITLE: अवधी साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

इस प्रश्न के माध्यम से अवधी भाषा और साहित्य से छात्र परिचित हो सकेंगे!अवधी भाषा और साहित्य का विस्तार क्षेत्र हिंदी भाषा क्षेत्र में समाहित है। हिंदी की संरचना को अवधी ने किस तरह प्रभावित किया है, जिज्ञासा का समाहार प्रस्तुत करना भी प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। अवधी क्षेत्र के संस्कृतिक, साहित्यिक एवं वैचारिक स्वर को पहचानने के साथ- साथ प्रतिरोध की साझी वैचारिकी से भी पाठक परिचित होंगे।

अवधी साहित्य में उपस्थित लोक, विषय वैविध्य और भाषिक प्रयोग के कारण अवधी को मध्यकाल की विशिष्ट भाषा और साहित्य का दर्जा दिया गया। कालांतर में अवधी भाषा की विकास यात्रा का आधुनिक स्वरूप नई चुनौतीयों को किस प्रकार स्वर प्रदान कर रहा है के उद्देश्य की पूर्ति हेतु कोर्स का निर्धारण किया गया है। अवधी भाषा और साहित्य की हिंदी के साथ सहजीविता के वास्तविक स्वरूप की प्रस्तुति भी इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य है।

1. इकाई 1
   अवधी की भाषिक अस्मिता और साहित्यिक अवदान से परिचित होंगे।
2. इकाई 2
   काव्य प्रस्तुतियों के अवधी संस्करण की आधुनिक ध्वनियों से परिचित हो सकेंगे।
3. इकाई 3
   किस्सागोई के अवधी लोक से कहानी तक की यात्रा में उपस्थित ज़ीवन मूल्यों को जान पाएंगे।
4. इकाई 4
   अवधी का विस्तृत लोक जीवनानुभवों का ज्ञान भंडार है, से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	अवधी साहित्य का इतिहास	15
II	पद्य १- बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' कविता: बिटउनी सन्दर्भ-ग्रंथ - पढ़ीस ग्रंथावली (सं. - रामविलास शर्मा) प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

२- वंशीधर शुक्ल
कविता: राजा की कोठी
सन्दर्भ-ग्रंथ - वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुन्दर मिश्र 'मधुप')
प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

३- गुरुप्रसाद सिंह 'मृगेश'
कविता: उजरि बदरवा मानी ह्वैगे
सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी)
प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

४- चंद्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका'
कविता: परबसता
सन्दर्भ-ग्रंथ - बौछार
प्रकाशन - ग्राम साहित्य मंदिर, लखनऊ

५- त्रिलोचन शास्त्री
कविता: बरवै (परिशिष्ट के आरंभिक बीस बरवै)
सन्दर्भ-ग्रंथ - अमोला की किसुली (सं. - अष्टभुजा शुक्ल)
प्रकाशन - नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली

६- माता प्रसाद 'मितई'
कविता: विदेसिया - पंचायत से अपढ़ पत्नी की शिकायत
सन्दर्भ-ग्रंथ - लोकगीत (पूर्वी अवधी में)
प्रकाशन- ग्राम सेविका प्रकाशन, लखनऊ

७- जुमई खां 'आजाद'
कविता: कथरी
सन्दर्भ-ग्रंथ - पहरुआ
प्रकाशक - अवधी आश्रम, गोबरी, प्रतापगढ़

८- विश्वनाथ पाठक
कविता: पलायन
सन्दर्भ-ग्रंथ - घर कै कथा
प्रकाशन - भवदीय प्रकाशन, अयोध्या

९- रफीक शादानी

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	कविता: जियौ बहादुर खद्दरधारी सन्दर्भ-ग्रंथ - जियौ बहादुर खद्दरधारी प्रकाशन - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली १०- रमाशंकर यादव 'विद्रोही' कविता: सीता सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	
III	कहानी छोट के चोर (श्रीमती मोहिनी चमारिन) सन्दर्भ-ग्रंथ: कथा कहानी (सं. - भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली कहानी गांव की जिंदगी (वंशीधर शुक्ल) सन्दर्भ ग्रंथ: वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुंदर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ उपन्यास-अंश: निरहू की वापसी अउरु दिल्ली बरनन सन्दर्भ ग्रंथ: नई रोसनी (भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - कश्यप पब्लिकेशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	15
IV	लोककथा अवधी कहानी, नमूना-२ (जिला - फैज़ाबाद) सन्दर्भ-ग्रंथ: भारत का भाषा सर्वेक्षण (भाग -६) संकलनकर्ता व सम्पादक - सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन अनुवादक - डॉ. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ आत्मकथांश: पिरेम कै आगि सन्दर्भ ग्रंथ: किस्सा पांड़े सीताराम सूबेदार (मधुकर उपाध्याय) प्रकाशक - सारांश प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. अवधी कथा साहित्य का इतिहास, डॉ. अरविन्द कुमार 2. अवधी और उसका साहित्य, डॉ. त्रिलोकिनारायण दीक्षित 3. आधुनिक अवधी भोजपुरी इतिहास और काव्य, डॉ. शालिग्राम शुक्ल 4. अवधी की आधुनिक प्रबंध धारा, डॉ. ज्ञानवती	

Dean
Faculty of Humanities
Vindhyavasini University, Mirzapur

	5. आधुनिक अवधी काव्य : लोक जीवन और संस्कृति, डॉ. सरोज शुक्ला This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
M. Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010804TC	COURSE TITLE: भोजपुरी साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   उपन्यास और कहानी के स्वरूप को भोजपुरी के संदर्भ में समझना।
2. इकाई 2
   ग्राम देवता उपन्यास से भोजपुरी लोक वृत्त समझना।
3. इकाई 3
   कविता के माध्यम से भोजपुरी भूगोल के झंझावतों और आकांक्षाओं को देखना।
4. इकाई 4
   बिदेशिया नाटक के माध्यम से स्त्री पीड़ा को देखना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	उपन्यास आ कहानी : परिभाषा आ स्वरुप , तत्त्व, भाषा आ शिल्प	15
II	ग्राम देवता : रामदेव शुक्ल	15
III	कविता : मोर हीरा हेरा गय कचरे में (कबीर) अछूत की शिकायत (हीरा डोम) सुरमा आँखी में नाहीं ई तू छुलावत बाटऽ (तेग अली) प्रतियोगिता प्रसंग (सुशांत शर्मा) "जटायु के प्रतियोगिता प्रसंग से 8वें छंद से 16वें छंद तक"	15
IV	नाटक : बिदेशिया (भिखारी ठाकुर)	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भोजपुरी साहित्य का इतिहास --कृष्णदेव उपाध्याय, भारतीय लोक संस्कृति शोध संस्था, वाराणसी 2. भोजपुरी के आदिकवि कबीर : प्रो. ब्रजकिशोर एवं जितेंद्र वर्मा, अ. भा.भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	3. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त रुपरेखा : तैयब हुसैन पीड़ित, शब्द संसार पटना 4. भोजपुरी साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन : चन्द्रमा सिंह, जानकी प्रकाशन पटना 5. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास : वेवेक राय 6. भोजपुरी कहानी विकास आ परम्परा : कृष्णा नन्द कृष्ण 7. समकालीन भोजपुरी साहित्य के कहानी विशेषांक 8. भोजपुरी उपन्यासो में ज़ीवन मूल्य : बलिराम प्रसाद, डी. पी. ए. पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010804TD	COURSE TITLE: अनुवाद विज्ञान

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   अनुवाद के महत्व की समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   अनुवाद प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
3. इकाई 3
   साहित्यिक अनुवाद की जानकारी मिलेगी।
4. इकाई 4
   मशीन से अनुवाद की प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद का स्वरूप, महत्व एवं प्रकार, अनुवाद और भाषा का संबंध, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय, अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र, अनुवाद की भारतीय परंपरा, अनुवाद और रोजगार	15
II	अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार, अनुवाद की सीमाएं एवं समस्याएं, अनुवाद की विभिन्न प्रयुक्तियाँ	15
III	साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं भावानुवाद, कार्यालयी अनुवाद, मीडिया और अनुवाद ज्ञान विज्ञान का साहित्य और अनुवाद, बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद	15
IV	अनुवाद पुनरीक्षण-मूल्यांकन, मशिन अनुवाद और उसकी समस्याएं, वैश्वीकरण और अनुवाद	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1980
7. कुमार, डॉ सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ,चतुर्वेदी महेन्द्र,परिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1973
9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण,कार्यालयी अनुवाद की समस्या, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ.प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताब घर प्रकाशनप्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचिपादम सीता,बैंको में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली. 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें,अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2007
17. https://shabdavali.rbi.org.in/ (बैंकिंग शब्दावली)
18. https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोष)
19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)
20. https://www.oxfordlearnerdictionaries.com/us/ (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR	SEMESTER: BA VIII /

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010805T	COURSE TITLE: हिन्दी नाटक और रंगमंच

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   नाटक के स्वरूप और तत्व की समझ हासिल करना। भारतीय, पारसी एवं पश्चिमी रंगमंच की समझ।
2. इकाई 2
   हानूश नाटक को समझना।
3. इकाई 3
   ध्रुवस्वामिनी नाटक के माध्यम से स्त्री पीड़ा और आकांक्षा को जानना।
4. इकाई 4
   आषाढ़ का एक दिन के माध्यम से कलाकार के अंतर्द्वंद को जानना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+50	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास	15
II	हानूश	15
III	ध्रुवस्वामिनी	15
IV	आषाढ़ का एक दिन	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बींसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच, गिरीश रस्तोगी
3. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी
4. हिंदी नाटक एवं रंगमंच, गिरीश रस्तोगी
5. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी
6. नाट्यचिन्तन और रंगदर्शन : अन्तर्सम्बन्ध, गिरीश रस्तोगी
7. हिंदी नाटक और रंगमंच, डॉ. रामजी पाण्डेय

Dean
Faculty of Humanities
Mata Vindhyavasini University, Mirzapur

	8. नाटक एवं रंगमंच के विविध आयाम, सं. हरीश अरोड़ा 9. हिंदी नाटक वर्तमान सन्दर्भ, डॉ. परमेश्वरी शर्मा 10. रंगमंच, सिनेमा और टेलीविजन, राजेन्द्र उपाध्याय 11. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक, डॉ. अनुराग कुमार, रवि बुक्स, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

स्नातक हिन्दी (माईनर) पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार)

हिन्दी और अन्य भारतीय भाषा विभाग

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

Programme	B.A. I Year	SEMESTER - II
Subject - Hindi (Minor)		
Course Code (Minor): H.M.01	Course Title: हिन्दी : संरचना और अनुप्रयोग	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1 : भारतीय प्रायद्वीप की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाषा हिन्दी के जन्म, विकास और जन-क्षेत्र निर्माण की प्रक्रिया को जानना।
2. इकाई : 2हिन्दी की ध्वनियों, वाक्य गठन, वाक्य विन्यास, पर्यायवाची ,विलोम तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द की संरचनाओं को जानना।
3. इकाई 3 : संधि, समास, अवयव, मुहावरा, लोकोक्ति एवं कहावतें तथा संस्कृत से हिन्दी व्याकरण की यात्रा जानना।
4. इकाई 4 : हिन्दी अनुप्रयोग के व्यावहारिक पहलुओं को संदर्भानुसार जानना।
5. इकाई 5 : सोशल मीडिया में हिन्दी के स्वरुप और प्रकार्य को जानना।
6. इकाई 6 : उपर्युक्त समस्त बिन्दुओं के व्यावहारिक क्रियान्वयन का बोध विकसित करना।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mi...

Credits – 6	Max Marks: 75 + 25 =100	Min. Passing Marks 30+10
Total No. of Lecture-Tutorials-Practical (in hours per weeks) 3-2-1		

Unit (इकाई)	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी भाषा:** 1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास 2. संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी का भारतीय स्वरूप 3. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, यथा- खड़ी बोली, अवधी, ब्रज और भोजपुरी 4. मानकीकृत हिन्दी का स्वरूप 5. देवनागरी लिपि और उसका महत्व	15
II	**हिन्दी व्याकरण - 1** 1. हिन्दी की प्रमुख ध्वनियाँ (स्वर तथा व्यंजन) 2. हिन्दी वाक्य का स्वरूप (संयुक्त एवं भिन्न वाक्य) 3. हिन्दी का वाक्य विन्यास (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन) 4. पर्यायवाची एवं विलोम शब्द	15
III	**हिन्दी व्याकरण - 2** • अनेक शब्दों के लिए एक शब्द ,संधि ,समास • मुहावरा, लोकोक्ति एवं कहावतें • संस्कृत व्याकरण की निरंतरता और हिन्दी व्याकरण • अपठित गद्यांश	15
IV	**हिन्दी अनुप्रयोग** 1. **बायोडाटा/स्ववृत्त निर्माण** : स्ववृत्त निर्माण की प्रक्रिया, स्वरूप एवं प्रकार 2. **कम्प्यूटर/ लैपटॉप और हिन्दी** : • कम्प्यूटर का सामान्य परिचय एवं प्रयोग • कम्प्यूटर में हिन्दी का प्रयोग • ओ.सी.आर., गूगल स्पीच, हिन्दी टाइपिंग (यूनिकोड, मंगल, कृतिदेव) • हिन्दी वेबसाइट (महत्वपूर्ण), ई- पुस्तकालय, इग्नू, स्वयं, यू-ट्यूब, एन.सी.ई.आर.टी., ई-ज्ञानकोश आदि	15

Dean
Faculty of Humanities
Vindhyavasini University, Mirzapur

V	सोशल मीडिया और हिन्दी 1. सोशल मीडिया : अर्थ और अवधारणा, प्रकार 2. सोशल मीडिया का प्रभाव और दुष्प्रभाव 3. सोशल मीडिया में हिन्दी भाषा का स्वरूप	15
VI	इस इकाई के तहत प्रयोगिक कार्य निर्धारित है। इस हेतु उपर्युक्त (1 से 5) में से किसी भी एक इकाई से एक फाइल बनायी जाएगी।	15

This course can be opted as an elective by the students of following subjects-
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण, प्रस्तुतिकरण, प्रश्नोत्तरी, समूह कार्य (कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य, वाचन आदि)

सतत आतंरिक मूल्यांकन हेतु 25 अंक निर्धारित हैं

Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ... in class/12th/certificate/diploma
सभी के लिए सामान्य हिन्दी का ज्ञान अपेक्षित

नोट : उपर्युक्त पाठ्यक्रम का अध्ययन – अध्यापन केवल सेमेस्टर II में किया जायेगा।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. प्रो अनुराग कुमार, हिंदी: संरचना एवं अनुप्रयोग, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. बाहरी, डॉ हरदेव, हिंदी भाषा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. बाहरी, डॉ हरदेव, हिंदी: उद्भव, विकास और रूप, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. प्रसाद, डॉ वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

स्नातक हिन्दी (माइनर) पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार)

हिन्दी और अन्य भारतीय भाषा विभाग

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

Programme	B.A. II Year	SEMESTER – IV
Subject - Hindi (Minor)		
Course Code (Minor): H.M.02	Course Title : हिन्दी: संवैधानिक स्वरूप एवं भाषा विमर्श के नये क्षेत्र	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 : राष्ट्रीय संकल्पना के भाषायी अभियानों के तहत भाषा, विशेषकर हिन्दी भाषा के पहलुओं को जानना।
2. इकाई 2 : भाषा विमर्श के नए क्षेत्रों- जेंडर और भाषा,भाषा और वर्ग एवं बहुभाषिकता के द्वन्दात्मक संबंधो को जानना।
3. इकाई 3 : पटकथा लेखन के समस्त संदर्भों को जानना।
4. इकाई 4 : विज्ञापन लेखन के विविध अनुप्रयोगों को जानना।
5. इकाई 5 : रचनात्मक लेखन का बोध विकसित करना।
6. इकाई 6 : उपर्युक्त समस्त बिन्दुओं के व्यावहारिक क्रियान्वयन का बोध विकसित करना।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

Credits – 6	Max Marks: 75 + 25 =100	Min. Passing Marks 30+10
Total No. of Lecture-Tutorials-Practical (in hours per weeks) 3-2-1		

Unit (इकाई)	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी का संवैधानिक स्वरूप और त्रिभाषा सूत्र** 1. राजभाषा हिन्दी 2. भारत सरकार की राजभाषा नीति • हिन्दी को लागू किये जाने की संवैधानिक व्यवस्था -अनुच्छेद 343 से 351 तक। • राजभाषा अधिनियम 1963 तथा उसके पश्चात बनाए गये नियम। • राष्ट्रपति के आदेश 1960, 1968 का राज्य भाषा संबंधी प्रस्ताव। • हिन्दी प्रशिक्षण-प्रोत्साहन राजभाषा क्रियान्वयन समिति द्वारा निर्धारित वार्षिक एवं समयबद्ध कार्यक्रम (गृह मंत्रालय द्वारा विनिश्चय)। 3. राजभाषा निदेशालय द्वारा हिन्दी का मानकीकृत स्वरूप।	15
II	**भाषा विमर्श के नये क्षेत्र** • भाषा और अस्मिता में संबंध 1. भाषा और जेंडर (i) समाज में जेंडर (ii) व्याकरण में जेंडर 2. भाषा और क्षेत्र 3. भाषा और वर्ग 4. भाषा और बहुभाषिकता	15
III	**पटकथा लेखन** • पटकथा लेखन : एक परिचय • कहानी और पटकथा में अन्तर • संवाद लेखन • पटकथा लेखन के प्रकार (नाटक, टी.वी. और सिनेमा के लिए पटकथा लेखन) • पटकथा लेखन में रोजगार की संभावनाएँ	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

IV	**रचनात्मक लेखन का बोध** • रचनात्मक लेखन का स्वरूप (कहानी और कविता) • अलग्योझा (कहानी) – प्रेमचंद • पर्यावरण (कविता) – अनुज लुगुन • सलाम (कहानी) – ओमप्रकाश बाल्मीकि • अक्षरज्ञान (कविता) – अनामिका	15
V	**विज्ञापन लेखन** • विज्ञापन लेखन: एक परिचय • विज्ञापन के प्रकार (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक) • विज्ञापन की भाषा एवं संरचना • विज्ञापन कैसे तैयार करें। • विज्ञापन में रोजगार की संभावनाएँ	15
VI	इस इकाई के तहत प्रयोगिक कार्य निर्धारित है। इस हेतु उपर्युक्त (1 से 5) में सेकिसी भी एक इकाई से एक फाइल बनायी जाएगी।	15

This course can be opted as an elective by the students of following subjects- इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
Suggested Continuous Evaluation Methods: परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण, प्रस्तुतिकरण, प्रश्नोत्तरी, समूह कार्य (कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य, वाचन आदि)
सतत आतंरिक मूल्यांकन हेतु 25 अंक निर्धारित हैं
Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए सामान्य हिन्दी का ज्ञान अपेक्षित
नोट : उपर्युक्त पाठ्यक्रम का अध्ययन – अध्यापन केवल सेमेस्टर IV में किया जायेगा।

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. सहाय, प्रो निरंजन, हिंदी: संवैधानिक स्वरूप, भाषा विमर्श के नये क्षेत्र, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
2. बाहरी, डॉ हरदेव, हिंदी भाषा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. अली, डॉ मुश्ताक, प्रयोजनमूलक हिंदी, अनुभव पब्लिशिंग हाउस, प्रयागराज

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर हेतु स्नातकोत्तर एकवर्षीय पाठ्यक्रम, विषय- हिंदी की रूपरेखा

एम. ए. एक वर्ष / द्वितीय वर्ष	नवम	A010901T	प्रथम	आधुनिक काल (गद्य काल) : इतिहास और साहित्य (भारतेंदु एवं द्विवेदी युग)	लिखित	04
		A010902T	द्वितीय	आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (स्वच्छंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)	लिखित	04
		A010903T	तृतीय	आधुनिक गद्य : प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्रयोत्तर गद्य)	लिखित	04
		A010904T	चतुर्थ	कथेतर गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, यात्रावृत्त, गद्यकाव्य)	लिखित	04
		A010905T	पंचम	**हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम**	**लिखित**	04
एम. ए. एक वर्ष / द्वितीय वर्ष	दशम	A0101001T	प्रथम	आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (अकविता, विभिन्न दशकों की कवितायेँ और उत्तर शती का काव्य)	लिखित	04
		A0101002T 0SEM2P	द्वितीय	हिन्दी आलोचना और आलोचक	लिखित	04
		A0101003T	तृतीय	भारतीय साहित्य	लिखित	04
		A0101004TA A0101004TB A0101004TC A0101004TD	चतुर्थ	**विमर्श आधारित विशेष अध्ययन (स्त्री, दलित, आदिवासी तथा थर्ड जेंडर, डायस्पोरा में से किसी एक का विशेष अध्ययन अनिवार्य है।)**	लिखित	04
		A0101005T	पंचम	**पठकथा और विज्ञापन लेखन**	**लिखित**	04

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

- उपर्युक्त लिखित प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त नवम एवं दशम सेमेस्टर में प्रत्येक विद्यार्थी को एक शोध-परियोजना पूर्ण करनी होगी, जिसके अंतर्गत विद्यार्थी दोनों सेमेस्टर की अवधि में दिये गये विषय पर कार्य करते हुए एक लघु शोध-प्रबंध तैयार करेगा। परियोजना का नवम एवं दशम सेमेस्टर में निर्देशक के निर्देशन में पूर्ण कर दशम सेमेस्टर को
- शोध-प्रबंध का मूल्यांकन दशम सेमेस्टर के अंत में होगा। इसके लिए 100 पूर्णांक तथा 04 क्रेडिट्स निर्धारित हैं।
- शोध-परियोजना हेतु सम्बंधित विभाग द्वारा छात्र/ छात्रा के लिए शोध-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जायेगा। इस हेतु आवश्यकतानुसार अन्य विषय का सह-पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया जा सकता है

पाठ्यक्रम निर्माण समिति -

क्र.	नाम	पदनाम	विभाग	कॉलेज/विश्वविद्यालय
1.	प्रो. ज्योतीश्वर मिश्र (संयोजक)	प्रोफेसर	हिंदी	के.बी.पी.जी. कॉलेज, मीरजापुर
2.	प्रो. वदना मिश्र (सदस्य)	प्रोफ़ेसर	हिंदी	जी. डी. बिनानी पी.जी. कॉलेज, मीरजापुर
3.	प्रो.कुसुमलता (सदस्य)	प्रोफ़ेसर	हिंदी	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चुनार, मीरजापुर
4.	डॉ. अरविन्द कुमार उपाध्याय (सदस्य)	असि. प्रोफ़ेसर	हिंदी	केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय, औराई, भदोही
5.	डॉ. सुचिता वर्मा (सदस्य)	असि. प्रोफ़ेसर	हिंदी	केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय, औराई, भदोही
6.	प्रो. श्रद्धा सिंह (विशेषज्ञ सदस्य)	प्रोफ़ेसर	हिंदी	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
7.	प्रो. प्रत्यूष दुबे (विशेषज्ञ सदस्य)	प्रोफ़ेसर	हिंदी	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

पाठ्यक्रम के उद्देश्य - प्रश्नपत्रवार

➤ नवम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'आधुनिक काल (गद्यकाल) : इतिहास और साहित्य (भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग)' के अंतर्गत विद्यार्थियों में आधुनिकता की अवधारणा की समझ तथा इसके आलोक में आधुनिक साहित्य के आस्वादन और समालोचन की क्षमता विक्सित करना। गद्य-साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए भारतेंदुयुगीन तथा द्विवेदीयुगीन गद्यकारों की रचना-प्रक्रिया एवं वैशिष्ट्य से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

➤ नवम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (स्वच्छंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)' के अंतर्गत विद्यार्थियों को आधुनिक काल के साहित्य के विविध काव्यान्दोलनों के काल-विस्तार, उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित कराना, सम्बंधित प्रतिनिधि रचनाकारों की रचना-प्रक्रिया और सौंदर्य का उद्घाटन और विश्लेषण करना।

➤ नवम सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र 'आधुनिक गद्य: प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर गद्य)' के अंतर्गत विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के पहले और उसके बाद के हिंदी गद्य में हुए परिवर्तन और विकास के विविध रूपों से परिचित कराना और उनके आस्वाद की क्षमता विकसित करते हुए प्रमुख गद्यकारों और उनकी रचनाओं के वैशिष्ट्य से उन्हें गहनता से अवगत कराना।

➤ नवम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र 'कथेतर गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज़, डायरी, यात्रावृत्त, गद्यकाव्य)' के अंतर्गत विद्यार्थियों को निर्धारित कथेतर गद्य विधाओं के गद्य प्रारूप की विशेषताओं तथा तथा इनमे निहित सृजनात्मकता के तत्त्वों से परिचित कराते हुए उनके साहित्यिक महत्त्व को समझाना तथा निर्धारित रचनाओं के माध्यम से इनके आस्वाद तथा मूल्यांकन में समर्थ बनाना।

➤ नबम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम' के अंतर्गत विद्यार्थियों में हिंदी पत्रकारिता की अबधारणा तथा इसकी ऐतिहासिक विकसनशील परंपरा का बोध विकसित करना, जनसंचार के परम्परागत तथा आधुनिक माध्यमों से उन्हें परिचित कराना तथा हिंदी भाषा और साहित्य के विकास एवं प्रचार-प्रसार में उनकी भूमिका को रेखांकित करना।

➤ दशम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (विभिन्न दशकों की कविताएं, अकविता और उत्तरशती का काव्य) के अंतर्गत विद्यार्थियों को समकालीन हिंदी कविता के विभिन्न दशकों के काव्यान्दोलनों और उनकी मुख्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना तथा इनके माध्यम से समकालीन भारत के राजनैतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक वातावरण की समझ विकसित करना।

➤ दशम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिंदी आलोचना' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के ऐतिहासिक विकास-क्रम से परिचित कराना, उनमें आलोचक और आलोचना के सम्बन्ध में व्यापक समझ विकसित करना तथा हिंदी के प्रतिनिधि आलोचकों के आलोचना कर्म के महत्त्व को रेखांकित करना।

➤ ....

➤ दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-अ) 'स्त्री विमर्श' के अंतर्गत विद्यार्थियों को स्त्री विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इसकी पृष्ठभूमि और आवश्यकता से परिचित कराना। साथ ही स्त्री जीवन की चुनौतियों की गहरी समझ विकसित करते हुए उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना।

➤ दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-ब) 'दलित विमर्श' के अंतर्गत विद्यार्थियों में दलित वर्ग के सदस्यों की समस्याओं और वेदना के प्रति संवेदनशील समझ विकसित करना, साथ ही उन्हें दलित विमर्श के इतिहास की विस्तृत जानकारी देते हुए दलित आन्दोलनों तथा महत्त्वपूर्ण दलित विचारकों के विचारों और उनके प्रभाव की जानकारी देना।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

➢ दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-स) 'आदिवासी विमर्श' के अंतर्गत विद्यार्थियों में आदिवासी अस्मिता की समझ विकसित करना, आर्थिक विकास और भूमंडलीकरण के इस दौर में जल-जंगल-जमीन तथा विस्थापन की समस्या से उनका परिचय कराना। प्रतिनिधि रचनाओं के माध्यम से आदिवासी जीवन के संघर्ष और उनकी आकांक्षाओं के प्रति यथार्थपरक दृष्टि का सृजन करना।

➢ दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-द) 'तृतीयलिंगी विमर्श (थर्ड जेंडर) के अंतर्गत विद्यार्थियों में लैंगिक विमर्श की अवधारणा की व्यापक समझ विकसित करते हुए तृतीयलिंगी समाज के अस्तित्व तथा उनकी समस्याओं के प्रति सहानुभूतिपूर्ण जागरूकता उत्पन्न करना।

➢ दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-य) 'डायस्पोरा' के अंतर्गत प्रवासी भारतीयों के अस्तित्व और उनकी समस्याओं की जानकारी देना, प्रवासी साहित्य की व्यापक समझ विकसित करते हुए इसके सम्मुख उपस्थित चुनौतियों से विद्यार्थियों का परिचय कराना।

➢ दशम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'पटकथा और विज्ञापन लेखन' के अंतर्गत विद्यार्थियों को पटकथा और विज्ञापन के मूलभूत तत्त्वों की जानकारी देते हुए विभिन्न माध्यमों हेतु पटकथा तथा विज्ञापन लेखन हेतु उन्हें सक्षम बनाना ताकि उनके लिए इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।

	लिय... ...संदर्भ में विभिन्न विद्वानों/विचारकों की मान्यताएँ: गार्सा द तासी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, जॉर्ज ग्रियर्सन, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महात्मा गांधी, रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, हजारीप्रसाद द्विवेदी।

1.

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: IX

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010901T	COURSE TITLE: आधुनिक काल (गद्य काल): इतिहास और साहित्य (भारतेंदु एवं द्विवेदी युग)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 :
   आधुनिकता की अवधारणा की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो तथा आधुनिक साहित्य का काल विस्तार और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का उद्घाटन हो।
2. इकाई 2 :
   गद्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न आयामों को प्रकट करना।
3. इकाई 3 :
   भारतेंदुयुगीन गद्य एवं गद्यकारों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।
4. इकाई 4 :
   द्विवेदीयुगीन गद्य एवं गद्यकारों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	आधुनिकता : अर्थ और अवधारणा नवजागरण और आधुनिकता आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, सीमांकन एवं नामकरण	15
II	गद्य : अर्थ और अवधारणा हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास हिन्दी गद्य की विशिष्टता	15
III	भारतेंदुयुगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियां भारतेंदुयुगीन प्रमुख गद्य साहित्य एवं गद्यकार	15
IV	द्विवेदीयुगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियां द्विवेदीयुगीन प्रमुख गद्य साहित्य एवं गद्यकार	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिंदी का गद्य साहित्य, डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विष्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: IX

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010902T	COURSE TITLE: आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (स्वछंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 :
   आधुनिकता की अवधारणा की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो तथा आधुनिककालीन साहित्य की परिधि में विभिन्न काव्य आंदोलनों का काल विस्तार और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का उद्घाटन हो।
2. इकाई 2 : स्वछंदतावाद और छायावाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करना और साहित्यिक परमपरा के निर्माण में इसके अवदान को चिन्हित करना।
3. इकाई 3 :
   उत्तर-छायावाद के दौर के काव्य आंदोलनों जैसे प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और नवगीत आंदोलनों की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करना और साहित्यिक परमपरा के निर्माण में इसके अवदान को चिन्हित करना।
4. इकाई 4 :
   सम्बंधित प्रतिनिधि कवियों/कवयित्रियों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी कविता और आधुनिकता का वैचारिक परिप्रेक्ष्य हिन्दी कविता का शिल्प और आधुनिक सौन्दर्यबोध	15
II	स्वछंदतावाद एवं छायावाद : अर्थ, अवधारणा और पारस्परिकता प्रतिनिधि कवि और कवितायें : बीती विभावरी जाग री... जयशंकर प्रसाद, प्रथम रश्मि... सुमित्रानंदन पन्त, यह मंदिर का दीप ... महादेवी वर्मा, कुकुरमुत्ता... सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	15
III	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : अर्थ, अवधारणा, प्रवृत्तियां और प्रभाव प्रतिनिधि कवि और कवितायें : दिल्ली... रामधारी सिंह दिनकर, जितनी स्फीति इयत्ता मेरी झलकाती है... अज्ञेय	15
IV	नई कविता : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां और प्रभाव	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	प्रतिनिधि कवि और कविता : अँधेरे में... मुक्तिबोध नवगीत : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां और प्रभाव प्रतिनिधि नवगीतकार और नवगीत : समय की शिला पर... शम्भुनाथ सिंह	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: **स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)**		SEMESTER: IX

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010903T	COURSE TITLE: आधुनिक गद्य : प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्रयोत्तर गद्य)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 व 2 :
   स्वतंत्रता के पहले और उसके बाद के गद्य में आये परिवर्तन और विकास के विभिन्न रूपों के सधान्तिक आयाम को समझने की क्षमता विकसित करना।
2. इकाई 3 व 4 :
   स्वतंत्रता से पहले और बाद के गद्य में आये परिवर्तन व विकास के विभिन्न रूपों का आस्वाद कराना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS:

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी गद्य का स्वरूप प्रेमचंद का गद्य : संवेदना और शिल्प प्रेमचंदयुगीन गद्य और प्रमुख गद्यकार	15
II	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य का स्वरूपप्रेमचंदोत्तर हिन्दी गद्य और प्रमुख गद्यकार	15
III	प्रमुख गद्य का पाठ : उपन्यास कला (प्रेमचंद) देहाती दुनिया (शिवपूजन सहाय)	15
IV	प्रमुख गद्य का पाठ : उत्तर प्रियदर्शी (अज्ञेय) प्रगीत और समाज (नामवर सिंह)	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: IX

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010904T	COURSE TITLE: कथेतर गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, यात्रावृत्त, गद्यकाव्य)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 : संस्मरण और रेखाचित्र विधाओं के गद्य प्रारूप की विशेषताओं व इनमे निहित सृजनात्मकता के तत्त्वों का उद्घाटन करना।
2. इकाई 2 : रिपोर्ताज और डायरी जैसी अल्पचर्चित गद्य विधाओं के भाषाई व साहित्यिक महत्व को चिन्हित करना।
3. इकाई 3 : यात्रा-वृत्तान्त और पत्र – साहित्य के स्वरूप एवं इतिहास और हिन्दी भाषा-साहित्य में इनके स्थान का मूल्यांकन करने में अध्येताओं को समर्थ बनाना।
4. इकाई 4 : गद्य काव्य की परंपरा के उत्स और विकास की दिशा का अवगाहन करना तथ सम्बंधित प्रतिनिधि रचनाकार की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय कराना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	संस्मरण और रेखाचित्र : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान भक्तिन (संस्मरण) : महादेवी माटी की मूरतें (रेखाचित्र) : रामवृक्ष बेनीपुरी ,चयनित रचना- 'रूपा की आजी'	15
II	रिपोर्ताज और डायरी : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान ऋणजल – धनजल (रिपोर्ताज) : फणीश्वरनाथ रेणु, चयनित अंश - पंछी की लाश हंसते हुए मेरा अकेलापन (डायरी अंश) : मलयज	15
III	यात्रा वृत्तान्त और पत्र-साहित्य : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान चीड़ों पर चांदनी : (यात्रा वृत्तान्त) : निर्मल वर्मा,अंश-'ब्रेख्त और एक उदास नगर' मैथिलीशरण गुप्त के नाम पत्र - 'द्विवेदी पत्रावली' (महावीर प्रसाद द्विवेदी)	15
IV	गद्यकाव्य : अर्थ, अवधारणा और स्वरूप, इतिहास और वर्तमान 'साधना' संग्रह के आरम्भिक दस गद्यगीत - राय कृष्णदास	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. 'द्विवेदी पत्रावली' - सं. श्री बैजनाथ सिंह विनोद, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

2. 'साधना' - राय कृष्णदास, साहित्य सदन, झाँसी
3. 'मलयज की डायरी' - मलयज (सं नामवर सिंह), वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. 'स्मृति की रेखाएँ' - महादेवी वर्मा, भारती भण्डार, इलाहाबाद
5. चीड़ों पर चांदनी - निर्मल वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, कलकत्ता
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग।
8. माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना
9. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
11. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी
13. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं: रामविलास शर्मा
14. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण: रामविलास शर्मा
15. कवि मन: अज्ञेय
16. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा: नंदकिशोर आचार्य
17. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध: महादेवी वर्मा
18. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार: डा0 हरिमोहन
19. महादेवी वर्मा की विश्वदृष्टि: तोमोको किकुचि, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली
20. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र: एक अध्ययन: प्रो0 राठौर, बी0बी0, अमन प्रकाशन, कानपुर
21. हिन्दी का संस्मरण साहित्य: राजरानी शर्मा,
22. लेखन कला: एक परिचय: डा0 मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
23. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
24. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: डा0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: **स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)**		SEMESTER: IX

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010905T	COURSE TITLE: हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 :
   भारतीय पत्रकारिता के सामान्य परिचय के साथ-साथ इसके चरणबद्ध विकास के इतिहास को समझना।
2. इकाई 2 :
   हिन्दी पत्रकारिता की अवधारणा और इसकी विकसनशील परम्परा का बोध विकसित करना।
3. इकाई 3 :
   जनसंचार के परम्परागत और अधुनातन माध्यमों से परिचय कराना और हिन्दी भाषा-साहित्य के प्रचार-प्रसार में इनकी भूमिका के महत्व को रेखांकित करना।
4. इकाई 4 :
   हिन्दी पत्रकारिता के साहित्यिक आयामों और हिन्दी साहित्य के स्वरूप के निर्माण व विकास में कुछ महत्वपूर्ण पत्रिकाओं के योगदान का परिचय।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+50	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय पत्रकारिता का सामान्य परिचय, प्रिंटिंग प्रेस का उदय और पत्रकारिता का विकास	15
II	हिन्दी पत्रकारिता : अवधारणा व स्वरूप, इतिहास और वर्तमान, महत्व, प्रकार	15
III	जनसंचार : अर्थ और अवधारणा, जनसंचार के विविध माध्यम, संभावना और चुनौतियाँ; ई पत्रकारिता: स्वरूप एवं प्रभाव, सोशल मीडिया, सिटिजन पत्रकारिता, ब्लाग पत्रकारिता	15
IV	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता का सामान्य परिचय, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं (नागरीप्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, मतवाला, सुधा, माधुरी, चाँद, हंस, प्रतीक, वसुधा, आलोचना, समालोचक, नया पथ, कल्पना, धर्मयुग, दस्तावेज, समकालीन भारतीय साहित्य, आजकल)	15
	संदर्भ ग्रन्थ:	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	1. भारतीय पत्रकारिता कोश: खंड 1 व 2, विजयदत्त श्रीधर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास: अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 3. हिन्दी पत्रकारिता: स्वरूप एवं संदर्भ: विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 4. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास: जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 5. हिन्दी पत्रकारिता: कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली 6. साहित्यिक पत्रकारिता: ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 7. समकालीन वैश्विक पत्रकारिता में अख़बार: प्रांजल धर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 8. हिन्दी पत्रकारिता की शब्द संपदा: डा0 बद्रीनाथ कपूर, डा0 आर0 रत्नेश, डा0 शिवकुमार अवस्थी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 9. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम (भाग 1 व 2): सं0 डा0 वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली 10. बाखबर बेखबर: डा0 मिथिलेश: दिशा इंटरनेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली 11. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता: डा0 अर्जुन तिवारी: जय भारती, इलाहाबाद 12. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी: डा0 चन्द्र कुमार, क्सासिकल पब्लिसिंग कम्पनी, नई दिल्ली - 110015 13. प्रयोजनमूलक हिन्दी: डा0 बालेन्दुशेखर तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 14. पारिभाषिक शब्दावलियाँ: कुछ समस्यायें - डा0 भोलानाथ तिवारी, षब्दकार, दिल्ली 15-हिन्दी की कीर्तिशेष पत्र-पत्रिकाएँ: पीतांबरदत्त पीतालिया, राजस्थान ग्रन्थ अकादमी This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Mata Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101001T	COURSE TITLE: आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (विभिन्न दशकों की कविताएँ, अकविता और उत्तर शती का काव्य)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   विभिन्न दशकों के काव्य आंदोलनों के बारे में समझ बनेगी और तत्कालीन समाज को समझने में मदद मिलेगी।
2. इकाई 2
   अकविता आन्दोलन की सामाजिक, राजनैतिक तथा संस्कृति पृष्ठभूमि की व्यापक समझ बनेगी।
3. इकाई 3
   तत्कालीन राजनैतिक हालातों को समझने में कविताएँ मददगार सिद्ध होंगी।
4. इकाई 4
   उत्तर शती के काव्य की व्यापक समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	विभिन्न दशकों का काव्य आन्दोलन • इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ	15
II	अकविता आन्दोलन • सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य	15
III	पटकथा : सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' 'माध्यम' (प्रतिनिधि कविताएं) - कुंवर नारायण	15
IV	उत्तर शती का काव्य आन्दोलन	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	• सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य	

संदर्भ ग्रन्थ:

1. . . . .
2. **प्रतिनिधि कविताएं - कुंवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. **आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली**
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
7. लम्बी कविताओं का रचना विधान डॉ0 [illegible] सिंह, प्र0 मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया, दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग।
10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101002T	COURSE TITLE: हिन्दी आलोचना

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   हिंदी आलोचना के विभिन्न चरणों को समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   हिंदी आलोचना के विकास के क्रम को समझने में मदद मिलेगी।
3. इकाई 3
   प्रतिनिधि आलोचकों के आलोचना कर्म की मर्म की समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   आलोचक और आलोचना की व्यापक समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी आलोचना I • भारतेंदु युगीन हिन्दी आलोचना • द्विवेदी युगीन हिन्दी आलोचना • शुक्ल युगीन हिंदी आलोचना	15
II	शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना II • सठोतरी आलोचना • नब्बें दशक की आलोचना • 21वीं सदी की आलोचना	15
III	प्रतिनिधि हिन्दी आलोचक I • भारतेंदु	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	• बालकृष्ण भट्ट • महावीर प्रसाद द्विवेदी • आचार्य रामचंद्र शुक्ल • आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी • नंददुलारे वाजपेयी	
IV	प्रतिनिधि हिन्दी आलोचक II • डॉ. नगेन्द्र • रामविलास शर्मा • नामवर सिंह • गजानन माधव 'मुक्तिबोध' • विजयदेव नारायण साही • बच्चन सिंह	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. [illegible]
4. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE. A0101003T	COURSE TITLE: भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भारतीय साहित्य के व्यापक अध्ययन से भारतीयता के अर्थ को समझने में मदद मिलेगी।
2. इकाई 2
   दक्षिण भारत के साहित्य के माध्यम से उस समाज को समझने में मदद मिलेगी।
3. इकाई 3
   गोरा उपन्यास को पढ़ने के बाद राष्ट्रभावना का संचार होगा।
   खामोश, अदालत जारी है को पढ़ने के बाद आधुनिक जीवन की समस्यायों को समझने में मदद मिलेगी।
4. इकाई 4
   कविता के जरिये समाजिक यथार्थ को समझने में मदद मिलेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय साहित्य : अर्थ और अवधारणा	15
II	मछुवारे : तकषी शिवशंकर पिल्लै हयवदन : गिरीश कर्नाड	15
III	गोरा : रबिन्द्रनाथ टैगोर खामोश, आदालत जारी है : विजय तेंदुलकर	15
IV	ट्रक डाला में सनातन : प्रसन्न कुमार मिश्र अभिसार : रबिन्द्रनाथ टैगोर सबसे खतरनाक : अवतार सिंह संधू 'पाश'	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भारतीय साहित्य, डॉ. न गेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 2. भारतीय साहित्य की भूमिका, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. तुलनात्मक साहित्य, इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिकेशन 4. आज का भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 5. भारतीय साहित्य की अवधारणा, डॉ. शीला मिश्र, मिलिंद प्रकाशन 6. भारतीय साहित्य, डॉ. राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. भारतीय साहित्य अध्ययन की दिशाएँ, डॉ. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन 8. भारतीय साहित्य का भाव संसार, आरसु और डॉ. परिस्मिता बरलै 9. भारतीय साहित्य की पहचान, सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 10. भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएँ, प्रो. रोहिताश्व 11. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ, के. सच्चिदानंदन (हिन्दी अनुवाद) 12. .... 13. भारतीय उपन्यास की भूमिका, तक्षशिला प्रकाशन 14. भारतीय उपन्यास साहित्य का उद्भव, आर.एस. सर्राजू, मिलिंद प्रकाशन This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101004TA	COURSE TITLE: स्त्री विमर्श

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   स्त्री विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
2. इकाई 2
   इस इकाई के अध्ययनोपरांत स्त्री विमर्श की जमीन और उसकी आवश्कता के बारें में व्यापक समझ विकसित होगी।
3. इकाई 3
   स्त्री जीवन की चुनौतियों से विद्यार्थी रु-ब-रु होंगे।
4. इकाई 4
   एक स्त्री की जरूरतों के बारे में व्यापक समझ विकसित होगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	स्त्री विमर्श : अर्थ और अवधारणा	15
II	श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा दिव्या : यशपाल	15
III	अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान, आवां - चित्रा मुद्गल	15
IV	दुलाईवाली : राजेंद्र बाला घोष मित्रो मरजानी : कृष्णा सोबती	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. श्रृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	3. स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार प्र0 वाणी प्रकाशन 4. स्त्री विमर्श : विविध पहलू: डॉ0 कल्पना वर्मा, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद 5. स्त्री साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र: सं. अनिरूद्ध कुमार, अनिल कुमार सिंह, अनामिका प0 एंड डि0, नई दिल्ली 6. स्त्री: उपेक्षिता, सीमोन द बोउआ, द हिंद पॉकेट बुक्स, 2002 7. भविश्य का स्त्री विमर्श : ममता कालिया, 8. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष: अनामिका 9. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य: क्षमा शर्मा 10. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श: जगदीश्वर चतुर्वेदी 11. स्त्री संघर्ष का इतिहास: राधा कुमार 12. परिधि पर स्त्री: मृणाल पाण्डेय 13. औरत के हक में : तसलीमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101004TB	COURSE TITLE: दलित विमर्श

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   दलित विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
2. इकाई 2
   दलित विचारकों के विचारों से विद्यार्थी खुद को अभिसिंचित कर सकेंगे।
3. इकाई 3
   दलित साहित्य आंदोलनों के बारे में जानकरी प्राप्त होगी।
4. इकाई 4
   दलित घर में जन्म लिए इन्सान की वेदना को विद्यार्थी समझ सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	दलित विमर्श : अर्थ और अवधारणा	15
II	अम्बेडकर और उत्तर अम्बेडकर विचार	15
III	दलित आंदोलन और दलित साहित्य दलित साहित्य और भाषा	15
IV	जूठन : ओमप्रकाश बाल्मीकि मेरा बचपन मेरे कंधो पर : श्यौराज सिंह बेचैन	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी दलित साहित्य : संवेदना और विमर्श, पि.एन. सिंह 2. हिंदी उपन्यासों में दलित विमर्श, डॉ. राकेश कुमार राम 3. दलित साहित्य : नई चुनैतियाँ, प्रो. रामशंकर कठेरिया	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	4. दलित विमर्श: दशा और दिशा, मुकेश मिरोठा 5. दलित साहित्य और काव्य चिंतन, डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन 6. दलित-विमर्श से आलोचना तक, सुरेश चन्द्र 7. मुख्यधारा और दलित साहित्य, ओमप्रकाश बाल्मीकि This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101004TC	COURSE TITLE: आदिवासी विमर्श

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भूमंडलीकरण के दौर में जल, जंगल और जमीन तथा विस्थापन की समस्या के बारे में व्यापक समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   आदिवासी अस्मिता के बारे में समझ बन सकेगी।
3. इकाई 3
   विभिन्न रचनाकारों की कविताओं से गुजरते हए विद्यार्थी आदिवासी जीवन की मूलभूत आवश्कताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. इकाई 4
   विभिन्न उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी आदिवासी जीवन की समस्याओं को जान सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	आदिवासी सन्दर्भ उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और आदिवासियों का शोषण, विस्थापन और विलोपन (वैश्विक सन्दर्भ), भारत में आदिवासी प्रश्न और आदिवासियों के आन्दोलन, आदिवासी जन के आधिकारों का संयुक्त राष्ट्रसंघ घोषणा-पत्र, भारत का वन अधिकार कानून	15
II	आदिवासी साहित्य आदिवासी अस्मिता, आदिवासी साहित्य की अवधारणा, औरचर और आदिवासियत (संदर्भ- आदिवासी साहित्य का रांची घोषणा पत्र - 2014) विश्व में आदिवासी साहित्य	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	के विभिन्न रूप-नेटिव अमेरिकन लिटरेच, कलर्ड लिटरेचर, अफ्रीकन अमेरिकन लिटरेचर, ब्लैक लिटरेचर, एबोरिजिनल लिटरेचर इंडीजीनस लिटरेचर	
III	हिंदी की आदिवासी कविता सूखी नदी/भरी नदी, विरोध, चेतावनी, प्रार्थना, सूर्योदय, झुके स्तन : राम दयाल मुंडा मैंने अपने आँगन में गुलाब लगाए, बाँस, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा : निर्मला पुतुल पत्थलगड़ी, हमारी अर्थी शाही हो नहीं सकती, बहेलिया का खेल : अनुज लुगुन	15
IV	हिन्दी का आदिवासी गद्य अल्मा कबूतरी : मैत्रयी पुष्पा सीता मौसी : रमणिका गुप्ता	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी में आदिवासी साहित्य : इसपाक अली 2. भारतीय आदिवासी : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा 3. आदिवासी कथा : महाश्वेता देवी 4. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी : रमणिका गुप्ता 5. आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता 6. भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि : ललित प्रसाद विद्यार्थी 7. आदिवासी भाषा और साहित्य : सं. रमणिका गुप्ता 8. आदिवासी संघर्ष गाथा : विनोद कुमार This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)	MA II YEAR	SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101004TD	COURSE TITLE: तृतीयलिंगी विमर्श (थर्ड जेंडर)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   लैंगिक विमर्श की अवधारणा की व्यापक समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   उपन्यासों के माध्यम से तृतीयलिंगी समाज को समझने में मदद मिलेगी तथा उनकी समस्याओं को समझ सकेंगे।
3. इकाई 3
   आत्मकथाओं के माध्यम से उनके जीवन के बारे में व्यापक समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   नाटक के माध्यम से उनके दिनचर्या की समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	लैंगिक विमर्श : अर्थ और अवधारणा लैंगिक विमर्श का इतिहास	15
II	उपन्यास • यमदीप - नीरजा माधव • पोस्ट बॉक्स नं. 203 : नाला सोपारा : चित्रा मुद्गल	15
III	आत्मकथा • मैं लक्ष्मी मैं हिजड़ा : लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी • पुरुष तन में फँसा मेरा नारी मन : मानोबी बंद्योपाध्याय	15
IV	नाटक	15

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	• सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक : सुरेन्द्र वर्मा • लल्लन मिस : रमा पाण्डेय	

संदर्भ ग्रन्थ:

1. लैंगिक विमर्श और यमदीप, हर्षिता द्विवेदी ; अमन प्रकाशन, कानपुर
2. किन्नर : सेक्स और सामाजिक स्वीकार्यता, प्रियंका नारायण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. क्वीर विमर्श, के. वनजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. थर्ड जेंडर विमर्श, सं. शरद सिंह, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य में किन्नर जीवन, सं. डॉ. दिलीप मेहरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. किन्नर गाथा, शीला डागा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. किन्नर विमर्श : शिक्षा, समाज और साहित्य , सं. बिन्द कुमार चौहान, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली
8. किन्नर विमर्श : अस्तित्व की तलाश सिमरन, सं. डॉ. राजपाल, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली
9. किन्नर विमर्श : साहित्य और समाज, सं. मिलन बिश्नोई, विद्या प्रकाशन
10. विमर्श का तीसरा पक्ष, सं. डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह, अनंग प्रकाशन, दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101004TE	COURSE TITLE: डायस्पोरा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   प्रवासी साहित्य की व्यापक समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   प्रवासी साहित्य के समझ उपस्थित चुनौतिओं से आमना-सामना होगा।
3. इकाई 3
   प्रवासी भारतियों की समस्याओं की समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   प्रवासी साहित्य की विषय-वस्तु की समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	प्रवासी हिंदी साहित्य : अर्थ और अवधारणा	15
II	प्रवासी हिंदी साहित्य अस्मिता की चुनौतियाँ	15
III	देह की कीमत : तेजेंद्र शर्मा इक सफर साथ-साथ : दिव्या माथुर	15
IV	वेस्टइंडीज का साहित्य : सुभाष कुमार प्रवासी पुत्र : डॉ. पद्मेश गुप्त	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. प्रवासी हिंदी साहित्य : स्वरुप और अवधारणा, सं. डॉ. दत्ता कोल्हारे, भावना प्रकाशन 2. प्रवासी लेखन : नयी जमीन , नया आसमान, अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिंदी का प्रवासी साहित्य, कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	4. प्रवासी साहित्य : एक मूल्यांकन, सं. डॉ. रम्या जी. एस. नायर, विकाश प्रकाशन 5. प्रवासी हिन्दी कथा साहित्य, केदार कुमार मंडल, स्वराज प्रकाशन 6. प्रवासी हिंदी साहित्य और ब्रिटेन, राकेश बी. दुबे, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 7. प्रवासी हिंदी साहित्य : विविध आयाम, डॉ. रमा, साहित्य संचय प्रकाशन 8. प्रवासी साहित्य का इतिहास : सिद्धांत एवं विवेचन, विकाश प्रकाशन This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X

Subject: Hindi

COURSE CODE: A0101005T	COURSE TITLE: पटकथा और विज्ञापन लेखन

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   पटकथा लेखन के माध्यम से रोजगार के नये आवसर की तालाश होगी।
2. इकाई 2
   इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी स्क्रिप्ट लेखन कर सकेंगे।
3. इकाई 3
   विज्ञापन के बारे में जानकर उसे अपने जीवन में उतारकर रोजगारुन्मुख होंगे।
4. इकाई 4
   विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन के तरीके समझ सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+50	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन, अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय। पटकथा (स्क्रिप्ट) के तीन अंग- कथा, पटकथा और संवाद। उदाहरण सहित संक्षिप्त जानकारी। तीनों की परस्परावलंबिता और दृश्य-श्रव्य माध्यम में महत्व। पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन की प्रक्रिया। विचार (आइडिया) वन लाइनर या लॉग लाइन – सारांश (शीर्षक, कथावस्तु, पात्रों की सूची।) प्लॉट बनाना – पात्रों का परिचय और उन्हें स्थापित करना, पात्रों का विकास। ड्राफ्ट बनाना – इनडोर/आउटडोर, समय,स्थान, संवाद, पात्र की क्रिया और प्रतिक्रिया।	15

Dean/Head
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

II	दृश्य-श्रव्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों के लिए स्क्रिप्ट लेखन। (सामान्य दिशा निर्देश) शॉर्ट फिल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन का विशेष परिचय पटकथा के प्रारूप और मुख्य सॉफ्टवेयरों की जानकारी	15
III	• विज्ञापन: अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं। • विज्ञापन का उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्त्व। • विज्ञापन और व्यापार का संबंध। • विज्ञापन का इतिहास और विकास। • विज्ञापन: कानून और आचार संहिता। • विज्ञापनों का वर्गीकरण, • विज्ञापन के प्रमुख अंग और आधारभूत सिद्धान्त। • विज्ञापन निर्माण की प्रविधि : प्रारूप-निष्पादन, अभिकल्पना (डिजाइन) और अभिविन्यास (ले आउट)। • विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ एवं भाषा संरचना।	15
IV	• विज्ञापन के विविध माध्यम • मुद्रण माध्यम समाचार पत्र, पत्रिकाएं। - • श्रव्य माध्यम - रेडियो, एफ. एम. रेडियो, मुनादी। • दृश्य माध्यम - टी.बी., इंटरनेट, मोबाइल, सोशल मीडिया, ई- विज्ञापन। अन्य माध्यम होर्डिंग, पोस्टर, बैनर, पर्चे, स्टीकर, प्रदर्शनी आदि। • विज्ञापन के नए संदर्भ प्रायोजित कार्यक्रम। • विज्ञापन का उपभोक्ता बाजार एवं अर्थव्यवस्था पर प्रभाव। • हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। • हिंदी भाषा के विकास में विज्ञापनों की भूमिका।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन, प्रो. निरंजन सहाय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 2. जनसंचार माध्यम, NCERT 3. पटकथा लेखन: एक परिचय- मनोहर श्याम जोशी 4. जनसम्पर्क, प्रचार एवं विज्ञापन, डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर 5. विज्ञापन, व्यवसाय एवं कला, डॉ. रामचंद तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 6. हिंदी विज्ञापनों की भाषा, आशा पाण्डेय, ब्लेकी एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., दिल्ली	

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur